संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -10 सोमवार ,11 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

नितिन गडकरी ने अपनी ही पार्टी पर साधा निशाना

मुंबई,10 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी ही पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने दागी नेताओं के बीजेपी में शामिल होने पर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस बार दागी नेताओं को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिससे उनकी ही पार्टी के कुछ लीडर नाराज हो सकते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में भ्रष्ट नेताओं के शामिल होने पर दो टूक अंदाज में अपनी राय रखी है। केंद्रीय मंत्री और नागपुर से सांसद गडकरी ने कहा कि जैसे-जैसे फसल बढ़ती है, इसके साथ बीमारियां भी बढ़ने लगती हैं। उन्होंने भाजपा के वैचारिक आदर्श को बचाए रखने पर जोर दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'बीजेपी का विस्तार हो रहा है और हमारे पास बहुत सारी फसलें हैं। इनमें से कुछ फसलें ऐसी हैं, जो बहुत अच्छी हैं और कुछ अपने साथ बीमारियां भी लाती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की मैं सगी औलाद हूं...

» बुर्का पहनी लड़की ने किया दावा,मचाई हलचल

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024(ए)। डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति बन चुके हैं, अब दुनिया को उनके अगले कदमों की उम्मीद है। ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान युद्ध खत्म करने से लेकर अवैध आप्रवासियों को बाहर निकालने समेत कई दावे किए थे। इन सबसे के बीच ट्रंप से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर वायरल हो रहा है। वीडियो पाकिस्तान का बताया जा रहा है, जिसमें बुर्का पहनी एक महिला दावा कर रही है कि वह ट्रंप की सगी औलाद है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुंबई पुलिस ने पकड़ी करोड़ों के चांदी की ईंट

मुंबई,10 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के शोर के बीच मुंबई के विक्रोली में कैश वैन से साढ़े छह टन की चांदी की ईंटें जब्त की गई हैं. इसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है. बताया जा रहा है कि विक्रोली पुलिस और चुनाव आयोग की जांच टीम की ओर से जब्त की गई कैश वैन में चांदी की ईंटें मिली हैं. करोड़ों रुपये की कीमत वाली ये चांदी की ईंटें ब्रिंक्स कंपनी की गाड़ी से मुलुंड के एक गोदाम में रखी गई थीं. चांदी की ये ईंटें किसकी हैं, इस बारे में पता लगाया जा रहा है. मामले में आगे की जांच जारी है।

बुलडोजर एक्शन को लेकर आ गया फैसला

» करने होंगे ये जरूरी काम,वरना चलेगा सुप्रीम कोर्ट का डंडा...

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024(ए)। यूपी सरकार के जिस बुलडोजर एक्शन को कई राज्यों की सरकारों ने फॉलो किया उस पर देश की सबसे बड़ी अदालत का आदेश आ गया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भारत के नागरिकों की आवाज को उनकी संपत्ति नष्ट करने की धमकी देकर नहीं दबाया जा सकता है. एपेक्स कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा, कानून के शासन में **'बुलडोजर न्याय'** पूरी तरह अस्वीकार्य है. चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि बुलडोजर के जरिए न्याय करना किसी भी न्याय व्यवस्था का हिस्सा नहीं हो सकता.

राज्य सरकारों को बुलडोजर चलाने से पहले करने होंगे ये 6 काम

कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार द्वारा इस तरह की मनमानी और एकतरफा कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. अगर इसकी अनुमति दी गई, तो अनुच्छेद 300ए के तहत संपत्ति के अधिकार की संवैधानिक मान्यता एक मृत पत्र में बदल जाएगी.

सीजेआई के रिटायरमेंट की पूर्व संध्या पर शनिवार को अपलोड किए गए एक विस्तृत आदेश में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित करते हुए,अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी विध्वंस से पहले उचित सर्वेक्षण,लिखित नोटिस और आपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए। इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को अनुशासनात्मक कार्रवाई और आपराधिक आरोप दोनों का सामना करना पड़ेगा.

अदालत ने किसी भी संपत्ति को ढहाने से पहले छह आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया. पहला- अधिकारियों को सबसे पहले मौजूदा भूमि रिकॉर्ड और मानचित्रों को सत्यापित करना होगा. दूसरा-नंबर पर उन्हें वास्तविक अतिक्रमणों की पहचान करने के लिए उचित सर्वेक्षण करना होगा. तीसरा-कथित अतिक्रमणकारियों को तीन लिखित नोटिस जारी किए जाने चाहिए. चौथा- उनकी आपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए और उसके बाद एक्शन का स्पष्ट आदेश पारित किया जाना चाहिए. पांचवां-अतिक्रमणकारियों को स्वैच्छिक रूप से अपना अतिक्रमण हटाने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए और नंबर छह-अगर जरूरी हो तो अतिरिक्त भूमि कानूनी रूप से अधिग्रहित की जानी चाहिए. उसके बाद ही कोई अन्य बड़ा एक्शन लेना चाहिए.

कार्रवाई करने से पहले कानून की उचित प्रक्रिया का पालन हो:सुप्रीमकोर्ट

सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, बुलडोजर के जरिए न्याय का ऐसा वाकया कहीं और सामने नहीं आया. यह एक गंभीर खतरा है कि अगर राज्य के किसी भी विंग या अधिकारी द्वारा उच्चस्तरीय और गैरकानूनी व्यवहार की अनुमति दी जाएगी, तो नागरिकों की संपत्तियों का विध्वंस बाहरी कारणों से चुनिंदा प्रतिशोध के रूप में होगा.

बेंच ने कहा कि राज्य को अवैध अतिक्रमणों या गैरकानूनी रूप से निर्मित संरचनाओं को हटाने के लिए कार्रवाई करने से पहले कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करना चाहिए. कानून के शासन में बुलडोजर न्याय बिल्कुल अस्वीकार्य है. अगर इसकी अनुमति दी गई तो अनुच्छेद 300ए के तहत संपत्ति के अधिकार की संवैधानिक मान्यता समाप्त हो जाएगी.

क्या है 300 ए?

300 ए के प्रावधानों की बात करें तो संविधान के अनुच्छेद 300 में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के प्राधिकार के बिना उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। टॉप कोर्ट ने 2019 में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में एक मकान को ध्वस्त करने से संबंधित मामले में छह नवंबर को अपना फैसला सुनाया। बेंच ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार को अंतरिम उपाय के तौर पर याचिकाकर्ता को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। आपको बताते चलें कि याचिकाकर्ता का मकान एक सड़क परियोजना के लिए ढहा दिया गया था।

महाविकास अघाड़ी ने जारी किया घोषणा पत्र

» युवाओं और महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

मुंबई,10 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास अघाड़ी ने रविवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया, जिसमें राज्य की जनता को पांच प्रमुख गारंटियों का भरोसा दिया गया है। घोषणापत्र में बेरोजगार युवाओं के लिए हर महीने 4,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही, कांग्रेस ने 50त्न आरक्षण की सीमा हटाने का भी ऐलान किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मौके पर कहा कि महाविकास अघाड़ी की ये पांच गारंटी राज्य के हर नागरिक के कल्याण के लिए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी योजनाओं के तहत प्रत्येक परिवार को सालाना करीब 3 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। महालक्ष्मी योजना के तहत, सभी महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी और महाराष्ट्र की महिलाओं को बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। खड़गे ने किसानों के लिए 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का वादा भी किया, बशर्ते कि वे समय पर कर्ज चुकाते हों। महिलाओं को साल में छह रियायती गैस सिलिंडर दिए जाएंगे, जिनकी कीमत 500 रुपये होगी। इसके अलावा, महाराष्ट्र में जातिगत जनगणना भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव महाराष्ट्र के भविष्य को बदलने के लिए है। महाविकास अघाड़ी ने अपने कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों के लिए एक एजेंडा भी प्रस्तुत किया।

महाविकास अघाड़ी की पांच गारंटी महालक्ष्मी योजना:

महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता।
महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा।
समानता की गारंटी-
जातिगत जनगणना कराने का वादा।
आरक्षण की 50त्न सीमा हटाने का संकल्प।
कुटुंब रक्षा-
25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा।
मुफ्त दवाओं की सुविधा।
कृषि समृद्धि-
किसानों का 3 लाख रुपये तक कर्ज माफ।
नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को 50,000 रुपये का प्रोत्साहन।
युवाओं को वचन-
बेरोजगार युवाओं को हर महीने 4,000 रुपये की सहायता।

कनाडा में मंदिर पर हमले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

» खालिस्तानी आतंकी पन्नू का बेहद करीबी निकला आरोपी

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024 (ए)। कनाडा में मंदिर पर हमला करने के मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान ब्राम्पटन के 35 वर्षीय इंदरजीत गोसाल के रूप में हुई है। वह मंदिर पर हमले का मास्टरमाइंड है और खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी है। ग्रेटर टोरंटो में हिंदू मंदिर पर हमले का प्लान इंदरजीत ने ही तैयार किया था।इंदरजीत गोसाल सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू का दाहिना हाथ है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद वही रेफरेंडम से जुड़े काम को देख रहा है। पुलिस ने बताया, गोसाल को 8 नवंबर को गिरफ्तार किया गया है। उसे जमानत पर छोड़ दिया गया है और कहा गया कि तय तारीख पर कोर्ट में हाजिर होना है।

4 नवंबर को खालिस्तानियों ने कनाडा में कई मंदिरों को निशाना बनाया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन हमलों की निंदा करते हुए कनाडा को कड़ा संदेश दिया था। कनाडा में हिंदुओं पर इस तरह के हमले को लेकर दुनिया के कई देशों ने निंदा की थी।

दिल्ली में कानून व्यवस्था का बुरा हाल

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024(ए)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के मुताबिक रविवार को दिल्ली के रोहिणी इलाके में रहने वाले एक व्यापारी से सरेआम रंगदारी मांगी गई। भाजपा से दिल्ली की कानून-व्यवस्था ही नहीं संभल रही है, तो जनता पूरी दिल्ली की जिम्मेदारी उसे कैसे दे दे।उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। आम आदमी पार्टी के ही विधायक और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस पर कहा कि दिल्ली में रविवार को सुबह-सुबह फिर एक व्यापारी से रंगदारी मांगे जाने की खबर आई है। कोई ऐसा दिन नहीं बीत रहा है, जब दिल्ली के अ ल ग - अ ल ग हिस्सों से सरेआम गोलीबारी या रंगदारी मांगने की खबर न आ रही हो। गैंगस्टरों के नेटवर्क को बचाने के चक्कर में भाजपा ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था का बेड़ा गर्क कर दिया है। इतनी बुरी हालत कभी नहीं देखी गई। अगर भाजपा से कानून-व्यवस्था नहीं संभल रही है, तो दिल्ली की चुनी हुई सरकार को दे दे।

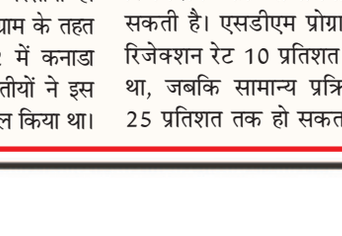

चुनावी मंच से नितिश कुमार ने दहाड़ मारी

» अभी चुपचाप सुनो, ज्यादा मत बोलिए...

गया,10 नवम्बर 2024 (ए)। बिहार के मुखिया नीतीश कुमार आज रविवार को गया के इमामगंज में चुनाव प्रचार करने पहुंचे. यहां से केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किए. इस दौरान नीतीश कुमार जब मंच से अपनी उपलब्धियां गिनवा रहे थे, सभा में मौजूद जीविका दीदियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. इस पर नीतीश कुमार भड़क गए और उन्हें चुप रहने को कहा. दरअसल, गया के इमामगंज के जमुना टांड़ मैदान में एनडीए के हम प्रत्याशी दीपा मांझी के समर्थन में रविवार को सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पहुंचे. जहां चुनावी जनसभा को संबोधित किया गया. नीतीश कुमार के भाषण के दौरान जीविका दीदियों ने अपनी मांगों को लेकर शोर मचा रही थीं. जीविका दीदी अपनी मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर बोलने लगी. तभी नीतीश कुमार ने कहा, ÷अभी चुपचाप सुनो, आपकी बात को सुनेंगे, ज्यादा मत बोलिए.÷ उसी का जवाब देते हुए मंच से सीएम नीतीश कुमार ने जीविका दीदियों को कहा कि सुनो स्वयं सहायता समूह पहले कितना कम था.

जीविका दीदियों को लेकर और क्या कहा?

जीविका दीदियों को मुख्यमंत्री ने कहा कि सुनो स्वयं सहायता समूह पहले कितना कम था. 2006 कर्ज लेकर जीविका के स्वय सहायता का वृद्धि कराया. केंद्र वाला पहले जीविका को जीविका दीदी पर नाराज था. उन लोगों ने देखकर आजीविका किया है. 1 करोड़ 31 लाख जीविका दीदियों की संख्या है. अब यह शहरी क्षेत्रों में भी होगा. पंचायती राज में महिला को 50त्न आरक्षण दिया. पुलिस में 35त्न आरक्षण दिया. यह सबसे ज्यादा आरक्षण सिर्फ बिहार में है. अगला चुनाव के पहले 12 लाख को नौकरी मिलेगी.

कनाडा में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए बढ़ी मुश्किलें

» फास्ट-ट्रैक वीजा किया गया समाप्त...

अब वीजा महीनों में मिलेगा...

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024 (ए)।भारतीय छात्रों को कनाडा में पढ़ाई करने का सपना पूरा करने में अब और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। कनाडा सरकार ने 2018 से लागू किए गए 'स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम' प्रोग्राम को बंद करने का ऐलान किया है, इसके चलते अब अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए फास्ट-ट्रैक वीजा अध्ययन परमिट प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इससे छात्रों को तेज़ी से वीजा मिलने में मदद मिलती थी। पहले जहाँ स्टडी वीजा की प्रक्रिया 6 हफ्तों में पूरी हो जाती थी, अब इसमें कई महीने लग सकते हैं।

इस फैसले से भारतीयों समेत 14 देशों के छात्रों को बड़ा झटका लगा है। खासकर पंजाब राज्य के करीब 50,000 छात्रों को इससे परेशानी हो सकती है, जो पहले इस प्रोग्राम के तहत कनाडा जा रहे थे। 2022 में कनाडा पढ़ने गए 80 प्रतिशत भारतीयों ने इस प्रोग्राम के जरिए वीजा हासिल किया था।

वीजा प्रक्रिया में आएंगे बदलाव

अब छात्रों को स्टडी वीजा के लिए स्टैंडर्ड एप्लिकेशन प्रोसेस के तहत आवेदन करना होगा, जिसमें 4 से 6 महीने या उससे अधिक का समय लग सकता है। इसके अलावा वीजा रिजेक्शन की संभावना भी बढ़ सकती है। एसडीएम प्रोग्राम के तहत रिजेक्शन रेट 10 प्रतिशत से भी कम था, जबकि सामान्य प्रक्रिया में यह 25 प्रतिशत तक हो सकता है।

एसडीएम प्रोग्राम को बंद करने के पीछे कारण

कनाडा सरकार का कहना है कि सभी छात्रों के लिए समान अवसर देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। स्ट्रस प्रोग्राम एक फास्ट-ट्रैक वीजा प्रोसेस था, जिससे छात्रों को सिर्फ 20 दिनों में वीजा मिल जाता था, लेकिन अब सरकार ने आवास की कमी और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या को देखते हुए इस पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। सरकार ने 2025 तक 4,37,000 नए स्टडी परमिट की सीमा तय की है, जो कि पोस्ट ग्रेजुएशन और अन्य प्रोग्राम्स को भी कवर करेगी। आने वाले समय में वीजा प्रोसेस और भी सख्त होने की संभावना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री का खालिस्तान मुद्दे पर बयान

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 8 नवंबर को यह स्वीकार किया कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक मौजूद हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि ये लोग पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा में कई हिंदू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हैं, लेकिन वे भी पूरे कनाडाई हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते। ट्रूडो के इस बयान से भारत के उन आरोपों को बल मिला है कि कनाडा सरकार खालिस्तानी समर्थकों को संरक्षण दे रही है।

संपादकीय

सिख अलगाववादियों पर हमले बेतुका और निराधार

सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कनाडाई मंत्री के आरोपों को बेतुका और निराधार' करार देते हुए खारिज कर दिया। इससे पहले नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया गया और उन्हें एक नोट सौंपा गया जिसमें कनाडाई मंत्री के आचरण पर नाराजगी जताई गई।प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नोट में भारत सरकार ने कनाडा के उपमंत्री डेविड मॉरिसन के आरोप पर गहरी नाराजगी जताई।मॉरिसन ने एक संसदीय पैनल के समक्ष कहा था कि कनाडा में सिख अलगाववादियों पर हमले की साजिश के पीछे पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के एक शीर्ष पदस्थ अधिकारी थे।दरअसल, कनाडा पुलिस ने जब से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच के दौरान मिले सबूतों' के आधार पर भारत सरकार के एजेंटों का नाम लिया है, तब से दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास उभर आई है।कनाडा पुलिस ने कहा है कि उसकी जांच में कनाडा में हत्याओं और हिंसक कृत्यों' और भारत सरकार के एजेंटों के बीच संबंधों का पता चलता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते दोनों ने एक दूसरे के राजनयिकों को वापस बुला लिया।कनाडा तनाव बनाए रखने का रवैया अपनाए हुए है, और बीते मंगलवार को कनाडाई मंत्री का बयान इसी सिलसिले का हिस्सा है। कनाडा आखिर, भारत के साथ संबंधों की कीमत पर इस प्रकार का रवैया क्यों अपनाए हुए है।दरअसल,कनाडा में निकट भविष्य में चुनाव होने हैं, और वहां सिखों की खासी आबादी है, जिस पर अलगाववादी खासा प्रभाव रखते हैं। इनके मतों पर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नजर है। इसलिए इन मतदाताओं के तुष्टिकरण की गरज से कनाडा गैर-जिम्मेदाराना हरकत किए जा रहा है।सबूत मांगे जाने की भी अनदेखी कर रहा है। राजनयिक परिपाटियों का घोर उल्लंघन' करने तक से नहीं चूक रहा। उसने भारत को साइबर खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची तक में डाल दिया है।कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को ऑडियो और वीडियो निगरानी में रखकर उनका उत्पीडन्' शुरू कर दिया है। वह हर वो कोशिश कर रहा है जिससे भारत के खिलाफ वैश्विक विमर्श को प्रभावित कर सके। जो भी आरोप लगा रहा है, उसके समर्थन में कोई प्रमाण भी पेश नहीं कर रहा। कहा जा सकता है कि कनाडा के व्यवहार में परिपक्वता का अभाव है।

महिलाओं के लिए खतरा बनी साइबर की दुनिया

-प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

इंटनेट इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों की बढ़ती तादाद एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन, इसने और अधिक संख्या में महिलाओं को वर्चुअल दुनिया में ख़तरों के जोखिम में डाल दिया है। हाँ, ऐसा लग रहा है कि महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराध की घटनाएँ बढ़ रही हैं। इनमें यौन उत्पीड़न, धमकाने, डराने बलात्कार या जान से मार देने की धमकियाँ देने, साइबर दुनिया में पीछा करने और बिना सहमति के तस्वीरें और वीडियो शेयर करने जैसी वारदातें शामिल हैं। सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया। भारत की अदालतें, महिलाओं के प्रति ऑनलाइन अपराधों की तुलना में ऑफलाइन जुर्मों को ज़्यादा अहमियत देती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न सामग्री के उदय ने डिजिटल स्पेस में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, जिससे ऑनलाइन उत्पीड़न और गोपनीयता उल्लंघन के नए रूप सामने आए हैं। इसने टेक कंपनियों और सरकारों दोनों को तत्काल कार्यवाही करने की आवश्यकता बताई है। आज जब साइबर क्षेत्र में महिलाओं के लिए ख़तरे कई गुना बढ़ गए हैं, तो ऐसा कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है, जहाँ वह छुप सकें और न ही कोई कड़ी सुरक्षा वाला इलाक़ा है, जहाँ बैठकर वह अपने सम्मान पर डाका डालने वाले साइबर ख़तरों के ख़त्म होने का इंतज़ार कर सकें। एक वैश्विक सर्वे में पता चला है कि 60 प्रतिशत लड़कियों और महिलाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्पीड़न का सामना किया है और इनमें से लगभग 20 प्रतिशत ने इसके चलते या तो सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया या फिर उसका इस्तेमाल कम कर दिया।

इसी तरह यूएन विमेन ने पाया है कि दुनिया भर में 58 प्रतिशत महिलाएँ और लड़कियों को किसी न किसी तरह के ऑनलाइन शोषण का शिकार होना पड़ा है। इनमें ट्रोलिंग, पीछा करने, डॉक्सिंग और लैंगिकता पर आधारित दूसरे तरह के ऑनलाइन हिंसक बर्ताव हैं, जो डिजिटिल युग के नए ख़तरों के तौर पर उभर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग डीपफेक वीडियो और चित्र बनाने के लिए किया जा रहा है, जो महिलाओं को मनगढ़ंत सामग्री के साथ लक्षित करते हैं जो अक्सर प्रकृति में यौन या मानहानिकारक होती है। यू. एस. की उपराष्ट्पति कमला हैरिस को 2024 के राष्ट्पति पद के लिए अपने अभियान के दौरान झूठे और हानिकारक संदर्भों में उन्हें चित्रित करने वाले डीपफेक का सामना करना पड़ा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल महिलाओं के चरित्र और विश्वसनीयता को कम करने के लिए डिज़ाइन की गई झूठी कथाएँ या स्त्री-द्वेषी सामग्री फैलाते हैं, विशेष रूप से नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं को लक्षित करते हैं।

रिपब्लिकन प्राइमरी के दौरान निक्की हेली हेरफेर की गई छवियों और फ़र्ज़ी खबरों का शिकार हुईं। महिलाओं को ऑनलाइन वस्तुकरण और यौन रूप से स्पष्ट सामग्री का असंगत स्तर का सामना करना पड़ता है, जो वास्तविक नकली सामग्री बनाने की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमता द्वारा बढ़ाया जाता है।

इतालवी प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई स्पष्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई डीपफेक और बदली हुई तस्वीरें महिलाओं की निजता का उल्लंघन करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर प्रतिष्ठा को काफ़ी नुक़सान होता है और मानसिक परेशानी होती है। बांग्लादेशी राजनेता रूमिन फरहाना को चुनावों से पहले डीपफेक सामग्री के साथ निशाना बनाया गया था। तकनीकी कंपनियों और सरकारों द्वारा समस्या को कम करने के लिए कदम। कंपनियों को त्रुटियों को रोकने के लिए मानवीय निगरानी के साथ, हानिकारक सामग्री को व्यापक रूप से प्रसारित होने से पहले सक्रिय रूप से चिह्नित करने और हटाने के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिटेक्शन सिस्टम में निवेश करना चाहिए।

मेटा (फेसबुक) ने हाल ही में डीपफेक से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल की घोषणा की, लेकिन उनका कार्यान्वयन असंगत बना हुआ है। प्लेटफ़ॉर्म को स्पष्ट जवाबदेही उपाय प्रदान करने चाहिए और रिपोर्ट करनी चाहिए कि वे अपनी मॉडरेशन नीतियों के पारदर्शी ऑडिट के साथ फ़्लैग की गई सामग्री को कैसे संभालते हैं। यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (2022) में डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को सामग्री मॉडरेशन क्रियाओं की रिपोर्ट करना अनिवार्य किया गया है। तकनीकी कंपनियों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि एल्गोरिदम को इस तरह से डिज़ाइन किया जाए कि लिंग पूर्वाग्रह कम हो और हानिकारक उद्देश्यों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का दुरुपयोग रोका जा सके। गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिद्धांत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़िम्मेदार उपयोग पर प्रकाश डालते हैं, लेकिन अधिक कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

सरकारों को डेटा सुरक्षा कानूनों को लागू करना चाहिए और डीपफेक-विशिष्ट कानूनों सहित एआई-जनरेटेड सामग्री के दुरुपयोग को सम्बोधित करने के लिए विशिष्ट कानूनी प्रावधान बनाने चाहिए। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 सामग्री मॉडरेशन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, लेकिन इसमें कड़े एआई-विशिष्ट नियमों का अभाव है। सरकारों को एआई नैतिकता बोर्ड और रूपरेखाएँ स्थापित करनी चाहिए जो नैतिक एआई विकास को अनिवार्य बनाती हैं, लिंग आधारित भेदभाव को रोकने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यूरोपीय संघ के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधिनियम का उद्देश्य उच्च जोखिम वाली एआई प्रणालियों को विनियमित करना है, विशेष रूप से मीडिया और निगरानी में। सरकारों को डीपफेक सामग्री की पहचान करने और रिपोर्ट करने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए, विशेष रूप से कमजोर समूहों को लक्षित करना चाहिए। भारत का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल एआई-जनरेटेड कंटेंट से जुड़े साइबर अपराधों की आसान रिपोर्टिंग की सुविधा देता है। निर्धारित समय सीमा के भीतर हानिकारक कंटेंट को हटाने में विफल रहने पर तकनीकी कंपनियों को मौद्रिक दंड के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूरोपीय संघ में जीडीपीआर उन कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने की अनुमति देता है जो उपयोगकर्ताओं को डेटा के दुरुपयोग से बचाने में विफल रहती हैं। सरकारों, तकनीकी फर्मों और नागरिक समाज के बीच एक सक्रिय, बहुपक्षीय दृष्टिकोण महिलाओं के लिए सुरक्षित डिजिटल स्थानों का निर्माण सुनिश्चित करेगा, नैतिक एआई विकास और मज़बूत ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जनता के चुने हुए प्रतिनिधि की जिम्मेदारी का निर्वाह

चौदहवीं लोक सभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि संसद का बहिष्कार करने वाले सांसदों का दैनिक भत्ता काट लिया जाना चाहिए।आपको शायद ज्ञात हो कि लोक सभा सत्र के दौरान मात्र एक मिनट की कार्यवाही पर सदन का खर्चा लगभग ढाई लाख रुपए आता है। चटर्जी का मानना था कि ऐसे कानूनी प्रावधान या नियम तय किया जाना चाहिए जिनसे सांसद सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। पर अफसोस है कि इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर तब से अब तक ऐसा कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। निःसंदेह यह गंभीर समस्या है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक अक्सर सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह गंभीरता से नहीं करते।वैसे तो सांसदों के आचरण से क्षुब्ध हो कर तत्कालीन दिवंगत लोक सभाध्यक्ष जीएमसी बालयोगी ने भी यह मांग उठाई थी और कुछ सख्त कार्यवाही पर सहमति भी बनी थी पर उसे लागू करने में विभिन्न पार्टी नेताओं की आनाकानी से उसमें वे सफल नहीं हो पाए थे, परंतु इस मुद्दे पर यदि गंभीरता से सभी पार्टी नेता अपना सहयोग सांसदों के आचरण के सुधार की पहल में करते हैं तो कोई कारण नहीं जो लोक सभा की कार्यवाहियों के समय को जाया जाने से बचाया न जा सके। अगर ऐसा लोक सभा में हो जाता है तो इससे सीख लेकर प्रदेश सरकार अपने-अपने विधानसभाओं में विधायकों को सांसदों के आचरण का अनुसरण जैसी सीख देने में सफल हो सकते हैं वरना जनता के खून-पसीने की कमाई को यूं ही जनसेवक बर्बाद करते रहेंगे और जनता यूं ही देखती रह जाएगी।ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां सांसदों के आचरण के कारण कई लोक सभा सत्र के दौरान हो-हल्ला मचने से बर्बाद हुए। अब आप समझ सकते हैं कि मात्र एक मिनट लोक सभा कार्यवाही का खर्चा जब ढाई लाख रुपए आता है तो बीते लोक सभा सत्रों के दौरान इतने समय की कीमत से अगर विकास कार्य होता या किसानों के कर्ज को माफ किया गया होता तो आए दिन कर्ज के कारण देश जिस प्रकार किसान आत्महत्या कर रहे हैं उनमें से कुछ को अवश्य ही बचाया जा सकता है। एक तरफ तो कर्ज और भुखमरी के कारण लोग असमय मर रहे हैं और दूसरी ओर समय की कीमत को न समझना यह समझदारी कतई नहीं हो सकती।कुछ वर्ष पहले पत्रकार सूर्य प्रकाश ने सांसदों के व्यवहार पर एक शोध किया। अनेकों सांसदों से बातचीत के आधार पर उन्होंने अंग्रेजी में अपनी पुस्तक व्हाट एल्स इंडियन पार्लियामेंट-

एन एग्जक्टिव डायग्नोसिस' छापी। जिसमें खुद सांसदों ने यह स्वीकारा था कि वे किस तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार सदन में करते हैं। मसलन, सांसदों ने ही बताया कि किस तरह बिना कोरम पूरे किए ही महत्त्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की खानापूर्ति हो जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अक्सर सांसदों की रुचि संसद की कार्यवाही में नहीं होती और वे अपनी उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करके सत्र के दौरान सदन से गायब रहते हैं, दस्तखत इसलिए करते हैं कि उन्हें भत्ते के रूप में मिलने वाली धनराशि 1000 मिल जाए। सांसदों ने यह भी बताया कि प्रश्न पूछने के लिए किस तरह के गैर-जिम्मेदाराना कार्य किए जाते हैं, जिनसे अपने क्षेत्र या देश का हित नहीं बल्कि निहित स्वाथरे का हित पूरा होता हैं। पिछले एक दशक में उजागर हुए अनेक किस्म के घोटालों से बहुत से सांसदों के चरित्र और कार्य शैली पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं, जिनका यहां खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।इस सब के बावजूद यह जरूरी है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे सांसद हो या विधायक सदन के प्रति जिम्मेवारी से व्यवहार करें और इसके लिए कानून और नियमों में आवश्यक सुधार किए जाएं। सांसदों को अनुशासित करने की दृष्टि से लोक सभा अध्यक्ष को यह पहल करनी ही चाहिए और हर दल के अध्यक्ष को इस प्रयास में सकारात्मक सहयोग देना चाहिए। इससे सदन की गरिमा बढ़ेगी और विधायिका के प्रति जनता में विश्वास बढ़ेगा। जब सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों और निजी क्षेत्र में लगे लोगों से अनुशासित आचरण की अपेक्षा की जाती हैं और जरा सी लापरवाही पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाती है तो फिर सांसदों और विधायकों से ऐसे आचरण की अपेक्षा क्यों न की जाए।कहावत भी है कि यथा राजा तथा प्रजा। सांसदों और विधायकों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए। निजी जीवन में न सही पर कम से कम सदन में तो उसकी मर्यादा के अनुरूप आचरण किया ही जाना चाहिए। जो भी सांसद या विधायक सदन की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रजिस्टर पर दस्तखत करने के बाद भी उपस्थित न रहे उनका दैनिक भत्ता तो काटा ही जाए लगातार तीन बार ऐसा करने पर संसदीय समितियों से हटा दिया जाए और इसके बावजूद उनका व्यवहार न बदले तो दिल्ली में दी गई उन्हें आवास या अन्य सुविधाएं वापस लेने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिए। कुल मिलाकर प्रयास यही होना चाहिए कि सांसद और विधायक सदन के सत्र के दौरान जिम्मेदारी से व्यवहार करें, जिससे जनता की आस्था उनमें बढ़े। जो भी लोक सभा अध्यक्ष, जब भी ऐसा प्रयास करे, तो ऐसे प्रयास का मुक्त हृदय से समर्थन किया जाना चाहिए। पूरे देश के जागरूक नागरिकों विशेषकर युवाओं को ऐसे प्रयास के समर्थन में अध्यक्ष को पत्र भी लिखने चाहिए जिससे उनका मनोबल बढ़े।

-रजनीश कपूर-

कविता
मंजिल से नजरें हटाना नहीं

घटती-घटना
श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

कितना भी मुश्किल हो डगर
सफर में तुम डर जाना नहीं
सफलता पाना है तुम्हें अगर
मंजिल से नजरे हटाना नहीं
सीखना है अपने गलतियों से
कोशिश करना छोड़ना नहीं
लड़ते रहना है चुनौतियों से
मंजिल से नजरे हटाना नहीं।
हालातों से तुम लड़ते रहना
इन हालातो से घबराना नहीं
लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना
मंजिल से नजरे हटाना नहीं।
चाहे कितना भी भटकाये कोई
अपने कदम को डिगाना नहीं
कितना भी कुछ कहे कोई
मंजिल से नजरे हटाना नहीं।
अपने हौसलों को बुलंद रखना
चमक हौसलों की गंवाना नहीं
कड़ी मेहनत पर विश्वास रखना
मंजिल से नजरे हटाना नहीं।

कविता
प्रेम का तरूवर

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
गांधीनगर, इंदौर, मध्यप्रदेश

मैं भोले को जब भी पुकारूं,
भोले मेरे पल में आते,
साथी बनकर साथ निभाते,
जीवन का हर सुख दे जाते।
मैं भोले को ....
कहीं भाव मेरे जग जाते,
तभी भोले मुझको मिल जाते,
बात-बात में वो मुझको फिर,
जीवन का नव गीत सुनाते।
मैं भोले को.....
सृजन किया भोले ने जीवन,
मेरे दिल की हर धड़कन में,
भोले नें श्वांसें भर दी हैं,
जैसे दीप जले ज्योति में।
मैं भोले को ....
दुख भरे दिन सब बीते जाएं,
हर जन में खुशियां ले आएं,
भोले बने जीवन रखवाले,
मुस्कानों का घट भर जाएं।
मैं भोले को ....
करते हैं सब नमः शिवाय,
भोले के दिल में बस जाएं,
जीवन बने प्रेम का तरुवर,
भक्ति रसों से मन भर जाए।
मैं भोले को ...

रेलवे के खोखले दावे

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

भारतीय रेल जैसे पहली सरकार में थी वैसा ही हाल आज भी है पहले ज्यादा पारदर्शिता थी अब ऑनलाइन इ टिकट बुकिंग का खामियाजा जनता को भुगतना पर रहा और उसका अब लागत मूल्य से रेवेन्यू को जोड़कर आई आर आर यानि भाड़ा लागत मूल्य यानि इलेक्ट्रिक, डीजल, मेंटेनेंस और मैनपावर को लागत मूल्य में 50कम यानि नुकसान ही दिखाया जा रहा है ख़ासकर पर्व त्यौहार में तो और ही लूटा जा रहा है जैसे आप सुपर तत्काल लेते हैं तो करीब करीब हवाई यात्रा का ही व्यय होता है प्लेटफॉर्म की स्थिति जस की तस है पर्व में भीड़ में लोग रेलवे की लापरवाही से भगदड़ मच रहा है और लोग दुर्घटना के शिकार हो रहें हैं एक मित्र ने बताया की स्पेशल ट्रेन में पर्व के लिए ट्रेन पकड़ा और करीब 38घंटे का लेट होने से पर्व निकल गया और वहीं से लौट गया एक वाक्या मेरे साथ भी हुई स्पेशल ट्रेन समस्तीपुर लोकमान्य तिलक जो 9नवंबर का था जो पटना से मुंबई हेतु था करीब 41घंटे का विलम्ब हुआ जिसे लिखा गया चार्ट बना लेकिन टिकट ऑनलाइन कैंसिल ना हो सका एक तो पर्व में इतनी दूर से आते हैं और इस तरह की लापरवाही से

फ्लाइट का किराया अचानक 20हजार से बढ़कर 50हजार रूपये तक महंगा हो गया माना ट्रेन लेट है कुछ समस्या है लेकिन इतना भी नहीं होना चाहिए कि 1दिन बाद खुले जब आप स्पेशल ट्रेन चलाने का बाहबाही लूटने की

कोशिश करते हैं और पेपर में छपा रहता है कि पर्व के लिए इतना ट्रेन चला रहें हैं तो उसे पूर्ण करना चाहिए नहीं तो मत चलाइये यह बाहबाही लूटना की हम 3करोड़ यात्री को पंहुचा दिया ऐ सब खोखले दाबे और खुद ही प्रशंसा करना छोड़ कर हकीकत को जानने की कोशिश करें जैसा मुझे लगा यात्रा ठीक होगा और चना चबाया और पूर्ण कंकर से दांत ही टूट गया अब पर्व में ट्रेन में सफर करना लोहे का चना चबाने जैसा हो गया खुब बादे करो और उसे पूर्ण ना करना रेल की बहुत बड़ी नाकामी है जिसका फ़ायदा रेलवे और विमान को हो रहा है और ऐसे में गुस्सा होना बिलकुल जायज है रेलवे को किसी ने चमकाया है तो बिहार के वर्तमान मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार जी है जो कभी रेल मंत्री थे उसके बाद जो हाल है वो उससे भी बदतर है इसे ध्यान देना जरुरी नहीं तो चुनाव में इसका गुस्सा जनता निकाल सकती है इसलिए समस्या को बढ़ाने की जगह समस्या के कारण को खोजने की अत्यंत आवश्यकता है. अगर ट्रेन देरी से पहुंचने की वजह से किसी यात्री को नुकसान होता है, तो रेलवे को मुआवज़ा देना होता है ट्रेन में टॉयलेट का ऐसा हाल है कि लगता पेशाब को रोकना मुश्किल हो जायेगा इसलिए ऐ न्यूज़ में देना कि 3करोड़ यात्रियों को पूजा में ट्रेन में सफर कराया ऐ बिलकुल गलत है . सुप्रीम कोर्ट ने भी ट्रेन की देरी से पहुंचने के मामले में रेलवे को ज़िम्मेदार माना है. ञ

अगर ट्रेन लेट हो रही है, तो रेलवे यात्री को मोबाइल पर मैसेज भेजकर सूचित करता है. जो होता है लेकिन तब जब चिड़िया हाथ से निकल चुकी होती हैअगर ट्रेन तीन घंटे से ज़्यादा देरी से चलती है, तो यात्री रिफ़ंड के लिए क्लेम कर सकता है लेकिन ऑनलाइन में ऐ मैसेज आता है चार्ट बन चूका अतः कैंसिल नहीं होगा जब ट्रेन 34-35घंटे लेट हो रहा है तो चार्ट बनाने का क़ोई मतलब ही नहीं है. आप सोच रहें होंगे ट्रेन में सरकार ने भारी संख्या में सफर कराया ऐ ठीक नहीं है यातायात कुछ लोगों प्रीमियम तत्काल के लिए ठीक है लेकिन अन्य यात्रियों के हकीकत उल्टी है

ईवीएम पर संदेह की उंगली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किए गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया था, बल्कि बड़े-बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया था।मजे की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गद्गद् नहीं थी, बल्कि स्वयं भाजपा को भी यह अहसास था कि किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना, पहलवानों, महंगाई जैसे तमाम ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी आशंका के कारण भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे।भाजपा की इस कवायद के बावजूद उसके 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गए। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सिंह सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें तो ऐसी रही जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हजार से भी कम रहा। चूंकि हरियाणा में विधानसभा के नतीजे कांग्रेस के लिए अप्रत्याशित थे, इससिलए कांग्रेस ने सीधा आरोप लगा दिया कि हरियाणा चुनाव में उसे हरवाया गया है। उसका आरोप था कि कई जगह ईवीएम को हैक किया गया। इस सबके बीच सवाल यह भी उठा कि अनेक ईवीएम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95त्न तक दिखा रही थी, जबकि मतदान के अंतिम

समय में प्राय÷ ईवीएम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60-70 फीसद के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप था कि जहां-जहां ईवीएम में बैटरी कम थी वहां-वहां कांग्रेस को प्राय÷ बढ़त मिली। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ईवीएम को बदल दिया गया था। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इस तरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज कराई।सवाल यह है कि बीती 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय पर मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था, राजा की आत्मा ईवीएम में है', उस समय राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि एमके स्टालिन और फारूक अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय भी सभी का ईवीएम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि हरियाणा के साथ-साथ जम्मू कश्मीर विधानसभा के भी चुनाव परिणाम आए तो जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को मिले स्पष्ट बहुमत को स्वीकारा जा रहा है, लेकिन हरियाणा में भाजपा को मिली जीत प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को पच नहीं पा रही। और वे खिसियायी बिल्ली खंबा नोचे के अंदाज में अपनी हार की भड़ास ईवीएम के त्रुटिपूर्ण होने की बात कहकर निकाल रहे हैं। बेशक, लोकतंत्र को सबको अपनी बात या राय रखने का हक है, लेकिन आचरण में दोहरापन नहीं होना चाहिए। यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ईवीएम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? इससे पता चलता है कि वे अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, और चुनाव प्रक्रिया का अभिन्न और अविश्सनीय अंग बन चुके जरिए पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

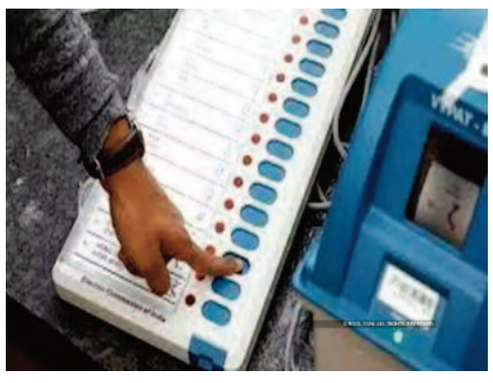

-तनवीर जाफरी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अक्षय नवमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने की आंवला पेड़ की पूजा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अक्षय नवमी के अवसर पर रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आंवला पेड़ के नीचे विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। सुबह से ही मंदिर परिसर व पिकनिक स्थल में आंवला पेड़ के नीचे श्रद्धालुओं की भीड़ होने से रौनक बनी रही। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष को अक्षय नवमी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि नवमी से लेकर पूर्णिमा तक आंवला पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है तथा इस दिन पेड़ के नीचे विधि-विधान से पूजा अर्चना करने पर व्रतियों की मनोकामना पूर्ण होती है। अक्षय नवमी के अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर स्थित आंवले पेड़ के नीचे बडी संख्या श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचे। इसके अलावा संजय पार्क, बांकी डेम व घुनघुट्ठा डेम में भी काफी संख्या में लोग आंवला पेड़ की विधि-विधान से पूजा कर परिवार की खुशहाली की कामना की। इस दौरान सपरिवार आंवले पेड़ के नीचे प्रसाद ग्रहण किया। अक्षय नवमी पर शहर के सभी पार्कों में भीड़ रही। लोगों ने पूजा करने के बाद वन भोज का आनंद लिया।

समूह से फर्जी तरीके से लोन निकलवाकर नहीं भर रहा था किश्त,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक व्यक्ति फर्जी तरीके से महिला स्वयं सहायता समूह से 6 लाख 43 हजार रुपए लोन निकलवा लिया था। इसके बाद लोन का कश्त भी नहीं पटा रहा था। परेशान महिलाओं ने मामले की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिसने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अन्नपूर्णा फाईनेस प्राइवेट लिमिटेड स्वयं सहायता समूह के सदस्य आरती एवं अन्य महिलाओं को लोन की राशि पर ब्याज देने का झांसा देकर दरिमा निवासी संतोष उर्फ राजू सोनी ने 6 लाख 43 हजार रुपए का लोन निकलवया था। कुछ दिनों तक लोन का किश्त वह पटाया इसके बाद किश्त पटाना बंद कर दिया था। समहू की महिलाओं ने मामले की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के क्रम में पुलिस ने आरोपी संतोष उर्फ राजू सोनी उम्र 45 साल निवासी दरीमा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुन्ड्रा उप निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, उप निरीक्षक नवल दुबे, प्रधान आरक्षक नामूल राम, आरक्षक दीपक पाण्डेय शामिल रहे।

तलवार दिखाकर डरा-धमका रहा युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने एक युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की है। हाथ में तलवार लेकर युवक लोगों को डरा धमका रहा था।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के बौरीपारा स्थित महादेव गली रोड में 9 नवंबर को एक व्यक्ति हाथ में धारदार हथियार तलवार लेकर लोगों को डरा धमका रहा था। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी सूरज साव उम्र 24 वर्ष निवासी खैरबार के खिलाफ 25-27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

11 हाथियों के दल ने पण्डो जनजाति के दो बच्चों को पटक कर मार डाला

एक 7 वर्षीय भाई ने हाथियों के सामने ही छुप कर बचाई जान,प्रत्यक्ष रूप से देखा भाई-बहन को मारते

- संवाददाता -
प्रेमनगर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

घने जंगल में मवेशी चराकर जीवन पोर्जन करने गए ग्रामीणों के घर मातम पसर गया है। बीते रात में पण्डो ग्रामीण अपने फूस की झोपड़ी में सो रहे थे कि तभी आधी रात्रि में 11 हाथियों का दल अचानक ही झोपडी में आ गया और एक दंपति अपने दो बच्चे को लेकर भागने में सफल हो गया किंतु अपने एक बेटा, और बेटी को बचा नहीं पाया, हाथियों ने कुचल कर भाई-बहन की जान ले ली है। मौके पर वन अमला की टीम, भाजपा नेताओं ने दुःख जाहिर करते हुए परिवार को 50 हजार रुपए का सहायता प्रदान किया है।

जानकारी के अनुसार रामानुजनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम महेशपुर टनटलिया पहाड़ जिसे मुलकी पहाड़ भी कहा जाता है, वहां प्रेमनगर बरईडांड निवासी पंडो परिवार के दो दंपति पिता पुत्र अपने बहु नाती के साथ झोपड़ी बनाकर निवास करते हैं। और मवेशी चराने का काम किया करते हैं। हमेशा की तरह भिखू राम अपने बच्चे पत्नी के साथ में सोया हुआ था। कि तभी बीते रात्रि को करीब 1 बजे 11 हाथियों का दल झोपड़ी में अचानक ही आ धमके भिखू राम अपने पत्नी और 5 बच्चे के साथ में सोया हुआ था। तभी हाथी के धमक से घबरा कर

भिखू राम अपने पत्नी के साथ दो बच्चे को उठाकर भाग गया, और झोपड़ी 3 बच्चे बचे हुए थे। जिन्हें भी निकालने की कोशिश करने लगा था कि तभी एक हाथी उसके पीछे दौड़ाने लगा, भिखू राम पण्डो अपनी जान बचाते हुए दूसरे झोपड़ी में पिता के पास जाकर भागने को कहने लगा सभी दूर गड्ढे में भाग कर जान बचा रहे थे। तो वहीं दूसरी ओर झोपड़ी में मौजूद भिखु राम पण्डो के तीन बच्चे झोपड़ी में फंसे हुए थे। एक बच्चा देव सिंह उम्र 8 वर्ष,हाथियों की आहट सुन कर झोपड़ी से बाहर निकल कर एक किनारे में छुप गया वहीं झोपड़ी में सोए 11 वर्षीय बेटा टिशु व 5 वर्षीय काजल को हाथियों के दल ने झोपड़ी से बाहर निकाल कर कुचलकर मार डाला,इस घटना क्रम को 8 वर्षीय देव सिंह देख रहा था। घटना की सूचना पर वन अमला घटना स्थल पहुंचकर वस्तु स्थिति की जानकारी ली है और ग्रामीणों को हाथियों से बचने की सलाह दी है। बताया जाता है कि पिछले 3 नवंबर से हाथियों का यह दल रामानुजनगर वन परिक्षेत्र के इन जंगलों में विचरण कर रहा है। वन विभाग लगातार सर्चिंग भी करा रहा है। लोगों को माइक से सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। मुलकी पहाड़ की घटना से आसपास के क्षेत्र में जहां शोक का माहौल है। लोग हाथियों के आतंक से भयभीत हैं। इस पहाड़ पर चार- पांच लोग झोपड़ी बनाकर चरवाहे का काम करते हैं और रात को वही रुक जाते हैं। इन सभी लोगों को समझाइश देकर वापस घर भेज दिया गया है। बताते हैं कि इस पहाड़ पर जाने के लिए डेढ़ किलोमीटर तक कोई रास्ता नहीं है। पैदल ही जाया जा सकता है। वन विभाग के रेंजर रामचंद्र प्रजापति ने भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरे वीरेंद्र जायसवाल, मंडल अध्यक्ष जगमोहन सिंह, नोहर साहू के माध्यम से मृतक के परिजनों को 25-25 हजार रुपए नगद तात्कालिक सहायता राशि दी है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 7 पर वैधानिक कार्रवाई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब सेवन करने के मामले में सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को अभियान चलाकर कोतवाली व मणिपुर पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

थाना कोतवाली क्षेत्र के गड़ाघाट खैरबार रोड में कुछ लोग अलग-अलग स्थान पर बैठकर सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन कर रहे थे। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी युवांश गुप्ता, सेंटी गुप्ता निवासी अम्बिकापुर, अरुण गुप्ता निवासी गायबुड़ा थाना बगीचा, आकाश यादव निवासी पटोरा लुन्ड्रा, शंकर यादव निवासी घुघरी बगीचा जशपुर व मनोहर बेहरा निवासी लरंगा थाना सन्ना जिला जशपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। वहीं थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा कन्या महाविद्यालय मैदान परिसर के पास से सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन पाए जाने पर आदर्श गुप्ता उम्र निवासी गांधीनगर को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की है। वहीं चौकी केरजू द्वारा अवैध महुआ शराब बिक्री के मामले में कार्रवाई करते हुए धनेश्वर चौहान उम्र 52 वर्ष निवासी कुनमेरा चौकी केरजू के कब्जे से कुल 4 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध 34(1)क, ख आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सड़क पर जमे मवेशी से टकरा बाइक सवार,मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सड़क पर जमे आवारा मवेशियों के कारण लोगों की जाने जा रही है। शनिवार की शाम को राजपुर थाना क्षेत्र के झिंगों के पास एक बाइक सवार पशु विभाग का कर्मचारी मवेशी से टकरा गया था। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार राजू लकड़ा (40) राजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था और पशु विभाग में कार्यरत था। वह शनिवार की शाम को ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने घर जा रहा था। तभी ग्राम झिंगो के पास कुछ मवेशी सड़क पर खड़े थे। बाइक सवार सड़क पर खड़े मवेशी से टकरा जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए राजपुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बीयर लेकर नशे में धुत्त नाच रहे ये सरकारी कर्मचारी, जमकर वायरल हो रहा वीडियो, SDM ने लिया संज्ञान

» वहीं नशे में धुत्त कर्मचारियों का हाथ में बीयर का बॉटल लेकर डांस करते हुए का वीडियो वायरल होने के बाद सरगुजा जिला प्रशासन ने वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लिया है।

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा के मैनपाट जनपद के कर्मचारियों का नशे में धुत्त होकर डांस करने का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया प्लेटफार्म में खूब वायरल हो रहा है। जिसमें मैनपाट जनपद के कई कर्मचारी हाथ में बीयर की बोतल लेकर नशे में धुत्त होकर नाचते दिख रहे है।

वहीं नशे में धुत्त कर्मचारियों का हाथ में बीयर का बॉटल लेकर डांस करते हुए का वीडियो वायरल होने के बाद सरगुजा जिला प्रशासन ने वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लिया है। वहीं इस पूरे मामले में मीडिया से बातचीत में सीतापुर SDM रवि राही ने बताया कि वायरल वीडियो शासकीय हाउसिंग बोर्ड कालोनी मैनपाट के बाहर का नजर आ रहा है जिसमें जनपद के कुछ कर्मचारी अपने हाथ में बीयर का बॉटल लेकर नशे में धुत्त होकर डांस करते नजर आ रहें हैं।

वहीं सीतापुर SDM रवि राही ने यह भी बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर संबंधितों के खिलाफ नोटिस जारी कर वायरल वीडियो के संदर्भ में जवाब मांगा जाएगा और आगे उचित कड़ी वैधानिक कारवाई की जाएगी। क्योंकि नशे में धुत्त होकर ऐसा कृत्य करना जनपद के कर्मचारियों को शोभा नहीं देता है और यह अनुचित है।

लेबनान में हिजबुल्लाह से युद्धविराम और निशाने पर गाजा,इजरायल के मन में क्या छिपा

इजरायल,10 नवम्बर 2024। इजरायल इस वक्त हमास और हिजबुल्लाह दोनों के खिलाफ खतरनाक जंग लड़ रहा है और मौजूदा परिस्थितियों को देखें तो इस युद्ध का अंत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। सभी एक-दूसरे का अंत चाहते हैं और तब तक रुकने नहीं वाले। इस बीच ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि इजरायल कथित तौर पर उत्तरी सीमा में लेबनान के साथ चल रहे सैन्य अभियान को कुछ वक्त के लिए रोकना चाहता। इजरायली समाचार चैनल 12 की रिपोर्ट है कि इजरायल हिजबुल्लाह के खिलाफ कुछ देर के लिए युद्धविराम चाहता है। इसके पीछे की चौंकाने वाली वजह भी सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजरायल का ऐसा करने के पीछे की वजह गाजा में हमास के खिलाफ चल रहा युद्ध है।

गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्ध को एक साल से अधिक हो चुका है और भीषण नरसंहार के बाद इजरायल से पूरी दुनिया खफा है। जेरूसलम पोस्ट ने एन12 न्यूज के हवाले से बताया कि इजरायल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के फैसले को टालने के लिए ऐसा करना चाहता है। मामला यूं है कि यूएनएससी गाजा में रक्तपात और मासूमों के कत्ल के लिए इजरायल के खिलाफ फैसला लेने वाला है। इस फैसले को टालने के लिए इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ उत्तरी सीमा पर अल्प युद्धविराम पर विचार कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि समझौते का विवरण अभी अज्ञात है, लेकिन इजरायल को लगता है कि यूएएससी संभवतः गाजा में इजरायल की लड़ाई रोकने या इजरायल पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करेगी। इजरायल का कहना है कि उसने हमास के आतंकवादियों से लड़ने के लिए जो वहां से हमला किए थे, उन्हें फिर से संगठित होने से रोकने के लिए एन्क्लेव के उत्तर में जबालिया, बेत लाहिया और बेत हनून में सेना भेजी थी। उसका कहना है कि नए हमले की शुरुआत के बाद से उसके सैनिकों ने उन इलाकों में सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब रविवार को सुबह उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया में एक घर पर इजरायली हमले में दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। फिलिस्तीनी सरकारी समाचार एजेंसी ङ्ख्र और हमास मीडिया ने मरने वालों की संख्या 32 बताई है, मरने वालों में अधिकतर बच्चे और महिलाएं हैं।

लेबनान में अटैक से कई बच्चों समेत 40 की मौत

लेबनान पर पिछले दिन के इजरायली हवाई हमलों में कई बच्चों सहित कम से कम 40 लोग मारे गए। लेबनानी अधिकारियों ने कहा, इजरायली बमबारी से रात भर राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर आग के गोले बरसते रहे। लेबनान ने बताया कि मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। बचाव अभियान जारी है और हमले के बाद बरामद किए गए अन्य शवों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किया जाएगा।

भारत से बढ़ते तनाव के बीच कनाडा के दो अहम फैसले,भारतीयों पर कितना असर ?

ओट्टावा, 10 नवम्बर 2024। भारत से तनाव के बीच कनाडा ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसका असर वहां पढ़ने के इच्छुक भारतीय छात्रों पर पड़ सकता है। कनाडा ने फास्ट ट्रैक स्टडी वीजा प्रोग्राम, एसडीएस को तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया है। स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) बहुत पॉपुलर थी और इसके तहत अप्लाई करने से लेकर अप्रूवल तक में काफी कम समय लगता था। बता दें कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस बारे में सितंबर में ही बोल दिया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि हम इस साल 35 फीसदी कम अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को परमिट देंगे। अगले साल से इसमें दस परसेंट की और कमी आएगी। इसके अलावा कनाडा अपने पूर्व के इमिग्रेशन से जुड़े कदम से भी पीछे हट रहा, जो कम कुशल श्रमिकों के लिए थी। इसके तहत भी भारत से बड़ी संख्या में श्रमिक आते थे।

कनाडाई प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा था कि अप्रवासी हमारी अर्थव्यवस्था के लिए फायदा पहुंचने वाले हैं। लेकिन जब कुछ बुरे लोग सिस्टम को कोसते हैं और छात्रों का फायदा उठाने लगते हैं तो ऐक्शन लेना पड़ता है। कनाडाई सरकार ने कहाकि वह अस्थायी छात्रों की संख्या कम करना चाहती है। यह फैसला ऐसे वक्त में हुआ है जब भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद चरम पर है। कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग के मुताबिक यहां पर सबसे ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ने के लिए आते हैं। इनकी अनुमानित संख्या 4,27,000 है।

आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) ने शुक्रवार को इस बारे में एक बयान जारी किया। इसमें उसने कहाकि कनाडा सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों को स्टडी परमिट के लिए अप्लीकेशन प्रॉसेस में समान और उचित पहुंच देने के लिए प्रतिबद्ध है। एसडीएस प्रोग्राम 2018 में शुरू किया गया था। इसके जरिए कनाडा में उच्च शिक्षा लेने के इच्छुक छात्रों के लिए प्रक्रिया को आसाना बनाया गया।

निज्जर से ज्यादा हत्याएं,गोल्डी बरार का पार्टनर; कौन है कनाडा में पकड़ा गया खालिस्तानी अर्श डाला

कनाडा,10 नवम्बर 2024। कनाडा की पुलिस ने खालिस्तानी अर्श डाला उर्फ अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। अर्श डाला कौन है? इसे लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। कनाडा में चरमपंथी गतिविधियों में वह शामिल है। डाला खालिस्तानी हरदीप सिंह का चेला जरूर था, लेकिन उसके नाम निज्जर से ज्यादा हत्या के रिकॉर्ड हैं। यह कुख्यात आतंकी गोल्डी बरार का पार्टनर भी है। पंजाब में कई हाई प्रोफाइल किलिंग में शामिल है।

अर्श डाला कौन है ?

पंजाब के मोगा जिले के दल्ला गांव का रहने वाला 27 वर्षीय अर्शदीप सिंह खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) जैसे चरमपंथी समूहों से जुड़ा हुआ है। वह कई संगठित आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है और कुख्यात कनाडाई गैंगस्टर गोल्डी बरार से भी जुड़ा हुआ है। अर्शदीप अपनी पत्नी और एक नाबालिग बेटी के साथ कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में रह रहा है। उसके पास 1 सितंबर, 2017 को जालंधर में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय द्वारा जारी किया गया पासपोर्ट है, जो 31 अगस्त 2027 तक वैध है।

निज्जर से ज्यादा हत्या के रिकॉर्ड

अर्श डाला 2020 से खालिस्तानी गतिविधियों में सक्रिय है। वह ज़्यादातर आतंकी फंडिंग, आतंकी मॉड्यूल तैयार करने, सीमा पार से हथियारों की सप्लाई करने और पंजाब में हाई प्रोफाइल हत्याओं की योजना बनाने में शामिल है। भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाए गए डोजियर के अनुसार, डाला का हत्या का रिकॉर्ड मारे गए केटीएफ नेता हरदीप सिंह निज्जर से भी ज़्यादा है।

बलूचिस्तान कैसे बन गया दर्द देने वाला नासूर,जिससे अब बिलबिला रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2024। पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में हाल के दिनों में एक बार फिर एक के बाद एक धमाके हो रहे हैं. शुक्रवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में स्कूली बच्चों सहित 9 लोगों की मौत हो गयी थी। वहीं शनिवार को क्वेटा में हुए धमाके में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी. ये बम धमाका क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास हुआ था। बलूच नेता लंबे समय से बलूचिस्तान के लिए अधिक स्वायत्तता या स्वतंत्रता की मांग करते रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार पर इस हिस्से की तरफ से उपेक्षा और शोषण का आरोप लगता रहा है।

बलूचिस्तान एक विशाल भौगोलिक क्षेत्र है जो ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में फैला हुआ है। इसका एक बहुत बड़ा हिस्सा अभी पाकिस्तान के कब्जे में हैं. इसके अंतर्गत ऊंचे पर्वत, गहरी घाटियां और विशाल मैदान शामिल हैं. बलूच लोग इस क्षेत्र के मूल निवासी हैं। उनकी अपनी भाषा और संस्कृति है। इस क्षेत्र में अक्सर राजनीतिक अस्थिरता और संघर्ष के हालत रहे हैं। 1947 में भारत के विभाजन के समय बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल किया गया था, जिससे बलूच लोगों में अपनी स्वायत्तता और पहचान को लेकर असंतोष पैदा हुआ।

काफी पुरानी है अलग बलूचिस्तान की मांग

9वीं सदी में अंग्रेजों ने बलूचिस्तान पर अपना नियंत्रण स्थापित किया था। अंग्रेजों ने बलूच क्षेत्रों को विभिन्न राज्यों में विभाजित कर शासन की शुरुआत की थी। 1947 में भारत के विभाजन के समय,बलूचिस्तान के कुछ हिस्से पाकिस्तान में शामिल हो गए। बलूच नेताओं ने पाकिस्तान में विलय का विरोध किया था और स्वतंत्र राज्य की मांग की थी। 1948 से ही बलूचिस्तान में सशस्त्र संघर्ष चल रहा है। बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे सशस्त्र समूह पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार ने बलूच आंदोलन को दबाने के लिए कई बार सैन्य कार्रवाई की है। बलूचिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन के कई आरोप लगते रहे हैं।

बलूच आंदोलन के प्रमुख कारण क्या हैं ?

बलूच लोग अपनी संस्कृति, भाषा और पहचान के खत्म होने की आशंका जताते हुए पाकिस्तान के खिलाफ आंदोलन करते रहे हैं। बलूचिस्तान में खनिज संपदा और प्राकृतिक गैस जैसे समृद्ध संसाधन हैं। हालांकि उस क्षेत्र में बेहद गरीबी है. बलूचिस्तान में विकास की गति धीमी है और बुनियादी सुविधाओं की काफी कमी देखने को मिलती है। पाकिस्तानी सेना द्वारा बलूच लोगों पर अत्याचार और मानवाधिकारों के उल्लंघन के कारण भी लोगों का गुस्सा फूटा है।

बलूचिस्तान आंदोलनकारियों की रही है कई तरह की मांग

बलूचिस्तान आंदोलनकारियों की मांगें समय के साथ बदलती रही हैं. आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग बलूचिस्तान के लिए अधिक स्वायत्तता या पूर्ण स्वतंत्रता है. वे चाहते हैं कि बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग एक स्वतंत्र राज्य बनाया जाए, जहां वे अपनी संस्कृति, भाषा और संसाधनों पर नियंत्रण रख सकें। हालांकि समय-समय पर पाकिस्तान की सरकार के साथ कई बार समझौते भी हुए हैं।

बलूच आंदोलनकारी चाहते हैं कि इन संसाधनों से होने वाले लाभ का अधिकांश हिस्सा बलूच लोगों तक पहुंचे और उनके विकास में लगाया जाए. जबकि पाकिस्तान की राजनीति पर नियंत्रण रखने वाले राज्य के नेता इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक तौर पर मानते हैं लेकिन इसे जमीन पर उतरने नहीं देते हैंत्र

महरंग बलोच के नेतृत्व में जारी है अहिंसक आंदोलन

31 वर्षीय बलूची महिला महरंग के नेतृत्व में बलूचिस्तान में महिलाओं की तरफ से तीव्र आंदोलन चल रहा है। 2017 में महरंग के भाई का अपहरण कर लिया गया था। महरंग इस घटना के बाद आंदोलन में सक्रिय हुई. उन्होंने 2019 में बलूच यकजेहती समिति (BYC) की स्थापना की थी। महरंग का कहना है कि मैं मौत से भी अब नहीं डरती हूं। वो पेशे से डॉक्टर रही हैं। रूढिवादी बलूचिस्तान में महिला सामाजिक कार्यकर्ता महरंग को लोग खूब पंसद कर हैं उनके नेतृत्व में हजारों की संख्या में महिला सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं।

बलूचिस्तान को लेकर पाकिस्तान की क्या रही है नीति ?

बलूचिस्तान में खनिज संपदा और प्राकृतिक गैस जैसे समृद्ध संसाधन हैं। पाकिस्तान इन संसाधनों का दोहन करके अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहता है. पाकिस्तान बलूचिस्तान को पाकिस्तान का एक अभिन्न अंग मानता रहा है। वो किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप को इस क्षेत्र में रोकना चाहता है। पाकिस्तान को डर है कि भारत और अफगानिस्तान जैसे देश बलूच आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं और बलूचिस्तान को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।

नाटो से बाहर आएगा ट्रंप का अमेरिका ? क्यों डरा हुआ है हथियार दिखाकर रूस को धमकाने वाला यूरोप

इस्लामाबाद,10 नवम्बर 2024। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद से ही नाटो के भविष्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों को आशंका है कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका नाटो से अलग हो सकता है। यह शंका इसलिए की जा रही है कि क्योंकि अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने नाटो के खिलाफ कई फैसले लिए थे। इतना ही नहीं, उन्होंने नाटो सदस्य देशों को उनके मुंह पर धमकाया भी था। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी ऐसे संकेत दिए हैं कि नाटो को चलाने की जिम्मेदारी सिर्फ अमेरिका की नहीं है। ऐसे में सहयोगी देश डर रहे हैं कि कहीं रूस के खिलाफ उनकी की गई मेहनत पर पानी न फिर जाए।

अमेरिका ने नाटो पर बनाया है कानून

ट्रंप के इन्हीं बयानों के कारण एक साल पहले अमेरिका ने कानून बनाया था कि जब तक अमेरिकी कांग्रेस मंजूरी नहीं देती, तब तक उनका देश नाटो को छोड़ नहीं सकता है। हालांकि, ऐसी आशंका है कि ट्रंप ने पहले से ही इसकी काट खोज रखी है। यह एक ऐसा तरीका है जिसका इस्तेमाल उन्होंने पहले भी किया है। 2023 में सीनेटर टिम कैन और मार्को रुबियो ने कानून बनाया, जिसमें यह आवश्यक है कि नाटो से बाहर निकलने के किसी भी राष्ट्रपति के फैसले को या तो दो-तिहाई सीनेट की मंजूरी मिलनी चाहिए या कांग्रेस के एक अधिनियम के माध्यम से अधिकृत होना चाहिए। सांसदों ने वित्तीय 2024 राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम के हिस्से के रूप में उपाय पारित किया, जिस पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप कर सकते हैं कानून को बाईपास ?

कानूनी विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि ट्रंप विदेश नीति पर राष्ट्रपति के अधिकार का हवाला देते हुए कांग्रेस के नाटो सुरक्षा घेरे को दरकिनार करने की कोशिश कर सकते हैं। एक ऐसा तरीका जिसका इस्तेमाल उन्होंने संधि वापसी पर कांग्रेस के प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए पहले भी किया था। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन के विद्वान और लॉफेयर के वरिष्ठ संपादक स्कॉट एंडरसन ने कहा कि यह कानून पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है÷, जिन्होंने राष्ट्रपति के नाटो छोड़ने पर सख्त प्रतिबंधों की वकालत की है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के साथ सीधे संवैधानिक संघर्ष की स्थिति पैदा करता है, अगर राष्ट्रपति नाटो छोड़ने की कोशिश करता है।

ट्रंप के खिलाफ कानूनी कदमों पर स्थिति साफ नहीं

एंडरसन ने कहा, यह खुला और बंद नहीं है, यह कांग्रेस द्वारा आपको यह बताने के बारे में है कि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, और अगर आप कांग्रेस की अनदेखी करते हैं, तो आपको इस पर अदालतों में हमसे लड़ना होगा। वहीं, शिकागो लॉ स्कूल विश्वविद्यालय में एलन एम. सिंगर प्रतिष्ठित सेवा प्रोफेसर कर्टिस ब्रैडली के अनुसार, अगर ट्रंप ने केवल यह घोषणा की कि वह गठबंधन से बाहर निकल रहे हैं, तो यह स्पष्ट नहीं है कि कांग्रेस के पास कानून की अनदेखी करने के लिए उन पर मुकदमा चलाने का कानूनी अधिकार होगा या नहीं।÷

सुप्रीम कोर्ट भी खुद को कर सकता है अलग

सुप्रीम कोर्ट ने आम तौर पर माना है कि शाखाओं के बीच संस्थागत संघर्ष राजनीतिक प्रश्न हैं जिन्हें न्यायिक हस्तक्षेप के बजाय राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से सबसे अच्छा हल किया जा सकता है। ब्रैडली ने एक ईमेल में कहा, इस मुद्दे पर मुकदमा चलाने के लिए, मुकदमा चलाने के लिए किसी व्यक्ति की आवश्यकता होगी। मैं जिस एकमात्र पार्टी के बारे में सोच सकता हूं, वह कांग्रेस ही होगी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कांग्रेस में रिपब्लिकन (जो कम से कम सीनेट को नियंत्रित करेंगे) इस तरह के मुकदमे का समर्थन करेंगे।

अमेरिका में संवैधानिक प्रश्न अस्पष्ट

एंडरसन ने कहा कि सांसदों को मुकदमेबाजी को स्पष्ट रूप से अधिकृत करने वाली भाषा जोड़कर कानून को मजबूत करना चाहिए, जिससे कांग्रेस के न्यायालय में खड़े होने की संभावना बेहतर होगी। उन्होंने यह भी बताया कि जबकि कांग्रेस के पास नाटो से राष्ट्रपति के हटने पर मुकदमा करने के लिए सबसे मजबूत आधार है, सेवा सदस्य या निजी व्यक्ति-जैसे कि अमेरिकी जो नाटो देशों में संपत्ति रखते हैं - के पास संभावित तर्क हो सकते हैं, लेकिन वे कम निश्चित हैं। उन्होंने कहा कि एक और संभावना यह है कि अगर दोनों सहमत नहीं होते हैं, तो दोनों में से कोई एक चैंबर मुकदमा करने की कोशिश कर सकता है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अपने हाथ में ले लिया हो, यह स्पष्ट नहीं है कि कौन जीतेगा क्योंकि संवैधानिक प्रश्न अस्पष्ट है।

कांग्रेस ने कभी नहीं दी है सीधी चुनौती

कांग्रेस ने कभी भी राष्ट्रपति द्वारा संधि से हटने को सीधे कानूनी चुनौती नहीं दी है। एंडरसन ने कहा, यह बहुत ही विवादित कानूनी क्षेत्र है, और यह 100 प्रतिशत स्पष्ट नहीं है।÷ इसका मतलब यह नहीं है कि अगर ट्रंप ऐसा करने में सक्षम होते हैं, तो वापसी जल्दी ही हो जाएगी। नाटो संधि के तहत, एक सदस्य देश को निर्णय के बारे में अन्य सदस्यों को सूचित करने के लिए निंदा का नोटिस प्रस्तुत करना होगा। एक वर्ष की प्रतीक्षा अवधि के बाद ही देश की सदस्यता आधिकारिक रूप से समाप्त होगी।

तेज होने वाला है युद्ध ! रूस की राजधानी पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला...कई फ्लाइटें डायवर्ट

कीव,10 नवम्बर 2024। यूक्रेन ने रविवार को मॉस्को पर 34 ड्रोन के साथ हमला बोला। यह युद्ध की शुरुआत के बाद से रूसी राजधानी पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला है। हमले की वजह से शहर के तीन प्रमुख हवाई अड्डों से उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा और एक व्यक्ति घायल हो गया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पश्चिमी रूस के अन्य क्षेत्रों में 36 अन्य ड्रोनों को नष्ट किया गया। रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी ने कहा कि डोमोडेडोवो, शेरेमेतयेवो और जुकोवस्की के हवाई अड्डों ने 36 उड़ानों को डायवर्ट किया। हालांकि, बाद में परिचालन सामान्य हो गया। वहीं, रूस ने भी यूक्रेन पर हमला बोला है। रूस की ओर से रातभर के दौरान 145 ड्रोन यूक्रेनी क्षेत्र में भेजे गए। कीव ने कहा कि उनमें से 62 को मार गिराया गया। यूक्रेन ने यह भी कहा कि उसने रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में एक शस्त्रागार पर हमला किया।

पोक्रोव्स्क की ओर बढ़ रही है रूसी सेना

यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर आलेक्जेंडर सि?र्स्की ने कहा कि मॉस्को के आक्रमण के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि रूसी सेना आगे बढ़ रही है और उत्तर कोरियाई सैनिक क्रेमलिन के अभियान में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। यूक्रेन के पूर्वी डोनबास प्रांत पर कब्जा करने के इरादे से रूसी सेनाएं पोक्रोव्स्क की ओर बढ़ते हुए लगातार नए क्षेत्रों पर कब्जा कर रही हैं।

पुतिन ने उत्तर कोरिया के साथ रक्षा संधि पर किए हस्ताक्षरपुतिन ने उत्तर कोरिया के साथ एक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें पारस्परिक रक्षा प्रावधान शामिल है। जून में प्योंगयांग में शिखर सम्मेलन के बाद पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन द्वारा हस्ताक्षरित समझौते में प्रत्येक पक्ष से सशस्त्र हमले की स्थिति में दूसरे की सहायता की बात की गई है।

एसएसपी सूरजपुर ने छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा से लगे अंतर्राज्जीय चेकपोस्ट नवाटोला का किया औचक निरीक्षण

थाना चांदनी व चौकी मोहरसोप का किया आकस्मिक निरीक्षण, चेकपोस्ट पर हर आने-जाने वाले पर पैनी निगाह रखने की हिदायत दी

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बार्डर पर स्थित नवाटोला चेकपोस्ट का निरीक्षण किया यहां 24 घंटे पुलिस व प्रशासन के अधिकारी व जवानों का कड़ा पहरा लगा हुआ है। उन्होंने चेकपोस्ट पर लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरा का जायजा लिया, तैनात अधिकारी व जवानों को पूर्ण सजगता के साथ अवैध गांजा व शराब सहित अवैध गतिविधियों-कार्यो के विरूद्ध सख्ती से कार्य करने एवं आने-जाने वाले संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के निर्देश दिए।

एसएसपी ने थाना चांदनी व चौकी मोहरसोप का औचक निरीक्षण कर प्रभारी व विवेचकों को कहा कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धजन एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों पर तत्काल विधि संगत कार्रवाई करते हुए उन्हें राहत दिलाए, शिकायत लेकर आने वाले ग्रामीणों के समस्या को बड़े आत्मीयता से सुने और त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना चौकी के औचक निरीक्षण के दौरान जवानों के समस्याओं को जाना और निराकरण का आश्वासन दिया। दुरस्थ स्थित चांदनी थाना में जवानों के रहने की सुविधा की जानकारी ली और आवास निर्माण का प्रस्ताव जल्द भेजने के निर्देश दिए। चेकपोस्ट पर हर आने-जाने वाले पर पैनी निगाह रखने की हिदायत दी। जिले के दुरस्थ स्थित थाना-चौकी के कार्यो को जानने, पुलिस की सक्रियता को परखने, अंतर्राज्जीय सीमा पर बने चेक पोस्ट पर जवानों की सक्रियता का जायजा लेने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने शनिवार को सर्वप्रथम थाना चांदनी अन्तर्गत मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के सीमा पर स्थित नवाटोला चेकपोस्ट का जायजा लिया। चेकपोस्ट पर कड़ी चौकसी के लिए लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरा का अवलोकन कर फुटेज रिकार्डिंग क्षमता को जाना और बेहतर रख-रखाव के निर्देश दिए। तैनात अधिकारी व जवानों को कहा कि आपकी नजरों से अवैध शराब व गांजा की तस्करी करने वाले बचने नहीं चाहिए, अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगाह रखे, संदिग्ध वाहनों की कड़ी जांच की जाए एवं किसी भी परिस्थिति में धान का अवैध परिवहन न होने पाए। इस दौरान थाना-चौकी मौजूद रहे।

थाना-चौकी का किया निरीक्षण, ग्रामीणों से हुए रूबरू। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना चांदनी का औचक निरीक्षण किया इस दौरान थाना के रिकार्ड को देखा। थाना प्रभारी को लंबित मामलों का विधिसम्मत समय पर निराकरण करने, सामुदायिक पुलिसिंग के आयोजन प्रत्येक ग्रामों में किए जाने एवं बीट क्षेत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए। आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारी व जवानों को सजगता के साथ पेट्रोलिंग व रात्रि गश्त करने के निर्देश दिए। रोजनामचा और रिकार्ड संधारण की स्थिति बेहतर देख संतोष व्यक्त करते हुए और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। क्षेत्र में पुलिस के कार्यो को जानने के ग्रामीणों से रूबरू हुए और उनसे संवाद कर पुलिस के कार्यो को जाना और पुलिस के कार्यो में सहयोग करने की अपील किया। उन्होंने चौकी मोहरसोप का भी आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिस के कार्यो को जाना।

रक्षक ही बने भक्षकः तमोर पिंगला अभ्यारण्य में वन्यजीवों का हो रहा अवैध शिकार

विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से वन्यजीव संरक्षण योजनाओं पर संकट

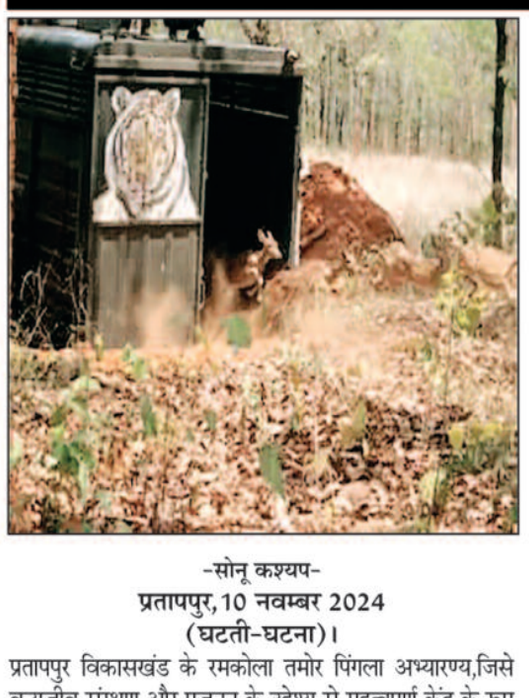

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर विकासखंड के रमकोला तमोर पिंगला अभ्यारण्य,जिसे वन्यजीव संरक्षण और प्रजनन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही का शिकार बनता जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा यहां वन्यप्राणियों की देखरेख और उनके प्रजनन को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाएं चलाई जा रही हैं, परंतु अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता और मिलीभगत के कारण ये योजनाएं मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रह गई हैं।

वन्यप्राणियों का शिकार... संरक्षण के बजाय विनाश

सूत्रों के अनुसार, तमोर पिंगला अभ्यारण्य में शाकाहारी वन्यप्राणी, जैसे चीतल, नीलगाय, और कोटरी प्रजाति के जानवरों को संतुलित खाद्य श्रृंखला के उद्देश्य से सन 2022-23 में घास के मैदान में छोड़ा गया था। इन सभी जानवरों का पहले मेडिकल परीक्षण किया गया और उसके बाद उनके प्रजनन एवं भोजन की सुविधाएं मुहैया कराई गई। लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही का परिणाम यह हुआ कि इन वन्यजीवों का अवैध शिकार लगातार होता रहा।

मेहमानों के निवाले बने वन्यजीव, मांस और खाल की तस्करी

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, कई वन्यजीवों को जंगल में घूमने वाले शिकारियों ने निशाना बनाया, वहीं कुछ जानवर अभ्यारण्य में आने वाले विशिष्ट मेहमानों का निवाला बन गए। अवैध शिकार के बाद इन जानवरों की खाल को लाखों रुपये में खरीदा गया और तस्करों द्वारा ऊँचे दामों पर बाहरी बाजारों में बेचा गया। ये घटनाएं विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत की ओर इशारा करती हैं, जिन्होंने इस अवैध कार्य को रोकने के बजाय बढ़ावा दिया।

विभागीय मिलीभगत से योजनाएं कागजों में सिमटी

केंद्र सरकार द्वारा वन्यप्राणियों के संरक्षण और प्रजनन को बढ़ावा देने हेतु चलाई जा रही योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। परंतु इस अभ्यारण्य में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, वन्यजीवों का संरक्षण और संवर्धन कार्यक्रम भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते विफलता की कगार पर है।

जांच की मांग, लेकिन दोषी अधिकारी अब भी बचे हुए

विगत घटनाओं के बावजूद, विभागीय अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच न होने के कारण दोषी कर्मचारी लगातार बचते आ रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा वन्यजीव प्रजनन और संरक्षण योजनाओं के लिए आवंटित भारी भरकम बजट का दुरुपयोग हो रहा है। विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और शिथिलता के कारण संरक्षण की सारी योजनाएं विफल होती दिख रही हैं।

जनता में रोष और वन्यजीव संरक्षण पर गंभीर संकट

वन्यजीव संरक्षण में हो रही इस घोर लापरवाही को लेकर जनता में आक्रोश है। तमोर पिंगला अभ्यारण्य जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर वन्यप्राणियों की देखरेख और सुरक्षा की जिम्मेदारी का पालन न होना न केवल कानून व्यवस्था का मजाक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की गंभीरता पर भी प्रश्न खड़ा करता है। वन्यप्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग अब जोर पकड़ रही है। इस विषय में तमोर पिंगला वन अभ्यारण डीएफओ टी श्रीनिवास ने बताया कि संबंधित वन प्राणियों का संरक्षण होना था इस विषय में जांच करके समस्त बिंदुओं पर कार्यवाही करते हुए जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तथा उक्त जानवरों की जंगल में मुनादी कराई जाएगी हालांकि जंगल में वन प्राणी कम नजर आ रहे हैं। जिस पर कड़ी जांच कार्रवाई करते हुए शासन को अवगत कराकर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी, तथा गेम रेंजरों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सरपंच-सचिव विकास की राशि का कर रहा बंदरबांट

ग्राम पंचायतों में चल रहा जीएसटी का खेल...क्या निर्माण कार्य का ले-आउट भौतिक सत्यापन नहीं करते इंजीनियर?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरकार द्वारा गांव को मुख्य धरा से जोडने के लिए पानी की तरह राशि स्वीकृत कर रहे हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्र में विकास की गंगा बह सकें। खड़गवां विकास खण्ड में ऐसा हो गया है कि सरकार द्वारा जो राशि जारी किया जाता है उस राशि का बंदरबांट करने का जिम्मा जनपद पंचायत अधिकारी द्वारा सरपंच-सचिव को दे दिया है। ऐसा इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि ग्राम पंचायत में कार्य हुआ की नहीं इसको झांकने तक ना ही जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और ना ही ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के उपमंत्री अनुविभागीय अधिकारी जाते नहीं है। जिसके कारण बिना काम कराए ही निर्माण कार्य की राशि सरपंच-सचिव द्वारा निकाल लिया जाता है। निर्माण कार्य की राशि आहरण करने से पहले निर्माण कार्य का लेआउट मूल्यांकन भौतिक सत्यापन इंजीनियर द्वारा किया जाता है उसके बाद ही राशि आहरण करने की अनुमति मिलती है। लेकिन खड़गवां जनपद पंचायत में शासन के इस नियम की खुलकर धज्जियां उड़ाई जा रही है सिर्फ कमिशन के नाम पर जनपद पंचायत और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में चल रहा है? ऐसा लगता है कि यहां किसी प्रकार की कोई लेआउट मूल्यांकन सत्यापन करने की जरूरत नहीं पड़ती है। ऐसा ही राशि आहरण कर ली जाती है। तभी तो बिना काम कराए ही लाखों-लाखों का बिल भुगतान हो जा रहा है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत कौडीमार के सचिव से सी सी सडक निर्माण कि राशि आहरण करने के संबंध में जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि राशि तो 2022-23 में ही आहरण कर ली गई है सी सी सडक का निर्माण कार्य आज तक नहीं कराया गया है।

परमेश्वर सिंह,ग्राम पंचायत कौडीमार सचिव

ग्राम की सी सी सड़क को भी नहीं छोड़ा घोटाले बाज सरपंच-सचिव ने

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र को सर्वसुविधा युक्त बनाने के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। ताकि ग्रामीणों को सुविधा लेने के लिए शहर की ओर आने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। लेकिन खड़गवां विकासखंड में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की घोटाले बाज नीति के कारण सी सी सडक की मिलने वाली सुविधा भी नहीं मिल रही है। जनपद पंचायत मुख्यलाय खड़गवां से महज 10 किलोमीटर दूरी पर बसा ग्राम पंचायत कौडीमार में छोटे कलुआ अटल चौक मुख्य मार्ग से पंडोपारा पहुंच मार्ग 200 मीटर कांग्रेस के शासन काल में सी सी सड़क निर्माण कार्य के लिए शासन द्वारा 5 लाख 20 हजार रूपये स्वीकृति किया गया था। निर्माण कार्य एजेंसी सरपंच ग्राम पंचायत कौडीमार को बनाया गया है, ग्राम पंचायत कौडीमार के सरपंच जो कांग्रेस के शासन काल में क्षेत्रीय विधायक के विधायक प्रतिनिधि होने के कारण ग्राम पंचायत कौडीमार में कई निर्माण कार्यों में घपलेबाजी किया गया है ऐसा ही एक मामला सी सी सडक का सामने आया है सरपंच सचिव के द्वारा बिना काम कराए ही सी सी सडक निर्माण कार्य की राशि को आहरण कर लिया है। अब सवाल उठता है कि इस कार्य का लेआउट मूल्यांकन इंजिनियर एवं भौतिक सत्यापन अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा क्या घर में बैठकर ही निर्माण कार्य का सत्यापन कर दिया गया था या फिर सरपंच-सचिव द्वारा फर्जी बिल निकालने के लिए अधिकारी को मोटी रकम कमिशन के रूप में दिया गया है?

सरपंच-सचिव ग्राम पंचायत में खेल रहे फर्जी बिल लगाकर जीएसटी-जीएसटी

खड़गवां जनपद पंचायत में ऐसे कई सरपंच सचिव हैं जो अपने रिश्तेदारों के नाम पर जीएसटी नंबर जारी कराए हैं जो सिर्फ ग्राम पंचायत में फर्जी बिल लगाकर लाखो रुपए का आहरण कर रहे हैं इनके पास किसी भी प्रकार का कोई फर्म या दुकान नहीं है जिससे वह समान सप्लाई कर सकें। हां लेकिन इनके द्वारा लाखों रुपए का ग्राम पंचायत में बिल दिया जाता है और इनके बिल से सरपंच-सचिव फर्जी तरीके से बिना निर्माण कराए ही शासकीय राशि का बंदर बांट कर करते हैं। ऐसा ही हुआ है कौडीमार ग्राम पंचायत में सी सी सडक निर्माण में।

कलेक्टर ने भू-अर्जन के प्रकरणों में निर्धारित अवधि में अवार्ड पारित करने के लिए किया निर्देशित

-संवाददाता-
कोरबा,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी राजस्व अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करें। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपने राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों की सुनवाई हेतु निर्धारित दिन एवं समय पर उपस्थित रहकर सुनवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ व अपर कलेक्टर श्री दिनेश नाग, संयुक्त कलेक्टर मनोज बंजारे, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री वसंत ने सभी एसडीएम को भू-अर्जन के प्रकरणों में निर्धारित अवधि में अवार्ड पारित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अविवादित/विवादित नामांतरण, सीमांकन, बटांकन, भू-व्यवस्थापन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का तहसीलवार समीक्षा करते हुए प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने हेतु सभी तहसीलदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण अनावश्यक समय-सीमा से बाहर न हो सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने त्रुटि सुधार के प्रकरणों एवं नक्शा बंटाकन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एसडीएम को मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम नारायण बड़ा, पिता श्री रामेश्वर बड़ा अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम नारायण भगत,पिता-श्री रामेश्वर , निवासी ग्राम-अलोरी तह-मनोरा जिला-जशपुर(छ0ग0) रख लिया हूं। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय,अर्द्ध शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम नारायण भगत पिता-श्री रामेश्वर से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
नारायण भगत,
ग्राम-अलोरी
तह-मनोरा,जिला-जशपुर(छ0ग0)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्क्रैप ई-नीलामी कार्यक्रम

माह दिसम्बर-2024 से फरवरी-2025 तक का ऑनलाईन स्क्रैप नीलामी कार्यक्रम निम्नानुसार है:

[A] Dec. - 2024

GSD/Raipur	BSP/Division	Raipur/Division	Nagpur/Division	GSD/NGP
09.12.2024	06.12.2024	05.12.2024	04.12.2024	11.12.2024
20.12.2024	16.12.2024	13.12.2024	12.12.2024	----
31.12.2024	30.12.2024	27.12.2024	24.12.2024	23.12.2024

[B] Jan. - 2025

GSD/Raipur	BSP/Division	Raipur/Division	Nagpur/Division	GSD/NGP
10.01.2025	09.01.2025	08.01.2025	13.01.2025	07.01.2025
21.01.2025	17.01.2025	16.01.2025	20.01.2025	----
31.01.2025	29.01.2025	30.01.2025	28.01.2025	24.01.2025

[C] Feb. - 2025

GSD/Raipur	BSP/Division	Raipur/Division	Nagpur/Division	GSD/NGP
10.02.2025	06.02.2025	07.02.2025	05.02.2025	13.02.2025
20.02.2025	17.02.2025	18.02.2025	14.02.2025	----
28.02.2025	25.02.2025	27.02.2025	24.02.2025	21.02.2025

कृपया ई-नीलामी के लिए वेबसाईट www.ireps.gov.in/e-Auction पर लॉगइन करें।
❖ नीलामी 10:00 बजे सुबह आरम्भ होगी तथा यदि जरूरत हुआ तो अगले दिन भी जारी रह सकती है। ❖ सामग्री का निपटारा "जहां है जैसा है" के आधार पर होगा। ❖ जीएसडी / रायपुर व डिविजनों (बिलासपुर, रायपुर, नागपुर) में उपलब्ध । ❖ सामग्रियों का प्रकार स्क्रैप, रेल, कास्ट आयरन, पी. वे स्क्रैप, मेल्टींग, एम.एस. कन्डम रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस जैसे कॉपर, एल्युमिनियम, बैटरीज एवं **अबुंडेनड स्ट्रेक्चर** आदि । विस्तृत नीलामी कैटलॉग के लिए कृपया वेबसाईट www.ireps.gov.in/e-Auction पर लॉगइन करें।
सीपीआर/10/AM/325

सहायक सामग्री प्रबंधक-II
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

No.9743/Date-09-11-2024

क्या कटकोना ग्राम पंचायत पर किसी विशेष एक व्यक्ति का हो गया है कब्जा...हर निर्माण में उनकी दखलअंदाजी ?

पंचायत में होने वाले निर्माण ग्रामीण लोगों व पंचायत प्रतिनिधियों की मर्जी से नहीं एक व्यक्ति विशेष की मर्जी से हो रहे हैं:सूत्र

पूर्व सरपंच भी थे खास,वर्तमान भी हैं खास..आने वाले किस सरपंच के साथ होंगे विशेष व्यक्ति?

विशेष व्यक्ति के हस्तक्षेप से पंचायत का हो रहा बंटाधार...चुनाव से पहले पंचायत फंड का वारा न्यारा करने की जुगत में विशेष व्यक्ति

5 साल में पंचायत ने कई लाखों का काम कर दिया पर एक वाटर एटीएम को सुचारू रूप से नहीं चला पाए

कटकोना का वाटर एटीएम पिछले 2 साल से उपयोग विहीन पर पंचायत के पास नहीं है पैसा...एसईसीएल के पैसे से सुधरेगा वाटर एटीएम

वाटर एटीएम सुधारने के लिए भी चहेते ठेकेदार को मिला जिम्मा,एक ही संगठन के दो श्रमिक नेता ठेकेदारी में व्यस्त

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/कटकोना,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत कटकोना में सरपंच कोई भी हो पर एक व्यक्ति विशेष का हस्तक्षेप जरूर देखा जाता है पंचायत के कार्यों में खासकर निर्माण कार्यों में,पूर्व सरपंच के कार्यकाल में भी उनका हस्तक्षेप था, उसके हारने का कारण भी दो गुटों की आपसी असहमति साथ ही तालमेल का अभाव बना, धीरे-धीरे समय बिता और फिर पूर्व सरपंच के हार का गम भूलने के बाद वर्तमान सरपंच के साथ सामंजस्य बैठाकर हस्तक्षेप का दौर शुरू हुआ, कटकोना पंचायत के सरपंच को हटने हटाने का भी दौर चला, अविश्वास प्रस्ताव तक पारित हुआ पर सरपंच के बचने के लिए जिसके पीछे कई कारण है और राजनीतिक धुरंधरों की अपनी कहानी है पर अब जब फिर से पंचायत चुनाव सामने खड़ा है तो व्यक्ति विशेष पंचायत मद में पड़े पैसे को निर्माण कार्य में हस्तक्षेप कर आनन फानन में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने पर लगा हुआ है। पंचायत में जो इस समय निर्माण कार्य हो रहे हैं उसमें व्यक्ति विशेष का हस्तक्षेप साफ देखा जा रहा है जो दूसरे गुट को बिल्कुल भी नागवार गुजर रहा है। अब आने वाला समय फिर किस सरपंच का होगा यह तो समय बताएगा, पर एक बात तो साफ है कि इस बार भी पंचायत में सरपंच बनने को लेकर जो गुट पहले अलग-अलग थे अब वह एक होकर पूर्व सरपंच पर अपना मत एक कर पाएंगे या फिर वर्तमान को ही मौका देंगे क्योंकि संबंध मधुर हो गए हैं।

वाटर एटीएम सुधार के लिए पंचायत के पास पैसा नहीं पर भ्रष्टाचार वाले निर्माण के लिए पैसे ही पैसे हैं?

सूत्रों और ग्राम के लोगों का कहना है की ग्राम कटकोना में शासकीय राशि की बंदरबाट हो रही है। ग्राम के वाटर एटीएम के लिए अब पंचायत के प्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है,वाटर एटीएम खराब है और उसका मरम्मत कैसे हो इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। श्रमिक नेता के साथ कांग्रेस नेता भी पंचायत प्रतिनिधियों को दबाव में लेकर निर्माण कार्य कर जल्द धनाढ्य बनने में लगे हैं वहीं जबकि वाटर एटीएम का लाभ श्रमिक ही प्राप्त करते हैं। बता दें की श्रमिकों को ग्राम में पीने की पानी की दिक्कत लगातार बनी रहती है और कुछ हैंडपंप से दूर से वह पानी लाकर पीने मजबूर रहते हैं। लोगों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधि और श्रमिक नेता की जुगलबंदी श्रमिक या ग्राम के लोगों के हित में होती तो समझ में आता। दोनों की जुगलबंदी शासकीय राशि खासकर ग्राम के सुविधाओं के राशि के बंदरबांट के लिए हो रही है यह चिंताजनक है। वैसे भी यह गणित राय नाम से प्रसिद्ध है।

व्यक्ति विशेष का निर्माण कार्यों में हस्तक्षेप गुणवत्ता का ध्यान किसी को नहीं

पंचायत के निर्माण कार्यों में एक व्यक्ति विशेष का हस्तक्षेप छिपा नहीं है। व्यक्ति विशेष ही निर्माण कार्यों के लिए सक्रिय है और एक तरह से एजेंसी है पंचायत के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुणवत्ता निर्माण कार्य की सही है, नहीं है, क्या निर्माण कार्य समय अवधि में पूर्ण हुआ नहीं हुआ इसका ध्यान किसी को नहीं है, ध्यान है किसी चीज का तो वह है एक विशेष व्यक्ति को उपकृत करने का। वैसे सरपंच भी मजबूर हैं ऐसा बताया जाता है क्योंकि उसे जितने के लिए श्रमिकों का मत आवश्यक है जिसके ठेकेदार श्रमिक नेता हैं और वह श्रमिकों के मतों का सौदा करके पंचायत में अपना हित साध रहे हैं, निर्माण कार्य करके सम्पन्नता तलाश रहे हैं, वहीं जिन श्रमिकों के हितों की उन्हे जिम्मेदारी श्रमिक नेता होकर निभानी है उनके हितों का ध्यान वह छोड़ चुके हैं क्योंकि वह उन्हीं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बिगाड़ रहे हैं जो श्रमिकों के हित के लिए ही जारी हैं।

पंचायत चुनाव में भाजपा विधायक का समर्थन का पूर्व सरपंच को जिताने होगा प्रयास

श्रमिक नेता की इसे होशियारी कहें यह चालाकी वह हमेशा अवसर का फायदा उठाने जानते हैं और कब कहां जाकर अपना चेहरा चमकाना है चापलूसी जाहिर करनी है वह इसके लिए तत्पर तैयार रहते हैं। श्रमिक नेता हमेशा नेताओं के इर्दगिर्द रहकर तस्वीर खिंचाने और स्वार्थ अपना साधने में लगे रहते हैं। सरकार कोई हो विधायक कोई हो श्रमिक नेता का जलवा बरकरार रहता है और वह अवसरवादी बनकर सभी से लाभ ले भी लेते हैं झिझक उन्हें नहीं है कोई ऐसा बताया जाता है। बताया जा रहा है वर्तमान विधायक और सरकार में उन्होंने सत्ता बदलते ही तालमेल बैठा लिया है। अब वह पूर्व सरपंच के साथ नजर आ रहे हैं अकेले में जब उन्हें फुर्सत मिल रही है निर्माण कार्यों से। पूर्व के साथ मुलाकात इसलिए क्योंकि वह वर्तमान विधायक के खास हैं, वैसे अब श्रमिक नेता का अभियान है कि वह पूर्व सरपंच को पुनः सरपंच बनवाने सहयोगी बने जिससे उन्हें विधायक का साथ मिले। वैसे विधायक भी जानते हैं कि अवसरवाद और वादी किसी के नहीं इसलिए वह चाल में फसेंगे लगता नहीं है।

एसईसीएल से होगा वाटर एटीएम का सुधार... चहेते को मिला काम

वैसे बताया जा रहा है कि वाटर एटीएम जो पंचायत का था और जिसकी जिम्मेदारी मरम्मत की पंचायत की थी वह अब एसईसीएल द्वारा मरम्मत कराया जाएगा। बताया यह भी जा रहा है कि वाटर एटीएम को श्रमिक नेता चाहते तो पंचायत मद से सुधरवा लेते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया वहीं अब जब एसईसीएल ने उसका जिम्मा लिया है तो वहां भी श्रमिक नेता की गिद्ध नजर जा पड़ी है और अपने ही चहेते को श्रमिक नेता ने मरम्मत कार्य दिलवा दिया है। सूत्रों की माने तो तय कमीशन का इसमें भी खेल है।

प्रकरण के अज्ञात आरोपी को सर्वमंगला पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा क्षेत्र में हो रहे डीज़ल,कोयला, लोहा चोरी, जुआ सटटा आबकारी एवं अवैध कबाड के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिये दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस चौहान व नगर पुलिस अधीक्षक विमल कुमार पाठक,दर्री,रूपक शर्मा थाना प्रभारी कुसमुण्डा के मार्गदर्शन में चोरी के प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तार कर कार्यवाही करने के संबंध में दिशा निर्देश प्राप्त होने पर परिपालन मे प्रार्थी संजय कुमार दुबे पिता स्व. नागेंद्र नाथ दुबे उम्र 49 वर्ष साकिन प्रधान सुरक्षा प्रहरी महाप्रबंधक कार्यालय SECL कुसमुंडा जिला कोरबा द्वारा दिनांक 4-5/11/2024 के दरम्यानी रात को अज्ञात आरोपी के द्वारा 03 नम्बर वर्क शॉप SECL कुसमुंडा खदान से 04 नग लोहे का चैनल, 08 नग लोहे का प्लेट वजनी 06 क्विंटल को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर पुलिस सहायता केन्द्र सर्वमंगला मे अपराध क्रमांक 361/24 धारा 303(2) BNS दर्ज कर अज्ञात आरोपी की सरगर्मी से पतासाजी कि जा रही थी। पतासाजी दौरान आरोपी राजू साहू उर्फ़ प्रकाश साहू पिता भागवत प्रसाद साहू उम्र 32 साल साकिन सर्व मंगला नगर बरमपुर पुलिस सहा. के. सर्वमंगला थाना कुसमुंडा जिला कोरबा छ.ग. से पूछताछ करने पर घटना दिनांक 4-5/11/2024 को 03 नम्बर वर्क शॉप स्थित कुसमुंडा खदान से चोरी करना स्वीकार किया जिसके कब्जे से 04 नग लोहे का चैनल, 08 नग लोहे का प्लेट वजनी 06 क्विंटल कीमती 20000 रुपये को जप्ती कार्यवाही कर आरोपी को पुलिस सहा. के. सर्वमंगला के द्वारा माननीय न्यायालय कटघोरा में न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया है।

विधायक शकुंतला द्वारा धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ शासन के निर्देशानुसार राज्य में 14 नवम्बर से शुरू होने वाले धान खरीदी की तैयारी के संबंध मे प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते के द्वारा जनपद कार्यालय प्रतापपुर के सभाकक्ष मे बैठक लेकर समीक्षा की गई, बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को धान खरीदी केंद्र पर धान बेचने आने वाले किसानों के लिए समुचित व्यवस्था करते हुए ससम्मान किसानों की धान खरीदी करने का निर्देश दिया गया। विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तहसीलदार प्रतापपुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, सर्व आदिम जाति सेवा सहकारी समिति प्रबंधक प्रतापपुर जिला सहकारी केन्दीय मर्यादित बैंक, आपरेटर, मंडी सचिव, खाद्य निरीक्षक से समिति वार धान खरीदी के तैयारी के संबंध में जानकारी ली गई। समिति वार बारदानां की उपलब्धता सुतली, तोल मशीन, नमी मापक यंत्र, स्टेन्सील, तारपोलिन कवर की उपलब्धता, साफ सफाई, बिजली, पेयजल, किसानो की बैठक व्यवस्था, टोकन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली गई। विधायक द्वारा सभी समिति प्रबंधको एवं शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया की धान विक्रेता कृषको के साथ भेद भाव की शिकायत प्राप्त नही होना चाहिए सभी से सम्मानपूर्वक व्यवहार हा। किसी कृषक को अपने धान के पैसे प्राप्त करने हेतु बैंक में अधिक बिलंब न हो। शाखा प्रबंधक को किसानो के ए टी एम कार्ड अधिक से अधिक बनाये जाने हेतु समिति वार ग्रामों में शिविर लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सभी किसानो के धान विकय एवं धान के पैसे का भुगतान हेतु समुचित व्यवस्था करने के लिए निदेर्शित किया गया। साथ ही राजस्व अमलो को अवैध तरीको से धान के आवक रोकने हेतु बौरयर लगाने, छापा मार कार्यावाही करने एवं अवैध धान पाये जाने पर उचित कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया । उक्त समीक्षा बैठक में श्रीमती ललिता भगत एसडीएम प्रतापपुर, श्री सालिक राम गुप्ता तहसीलदार प्रतापपुर, श्री मुकेश दास नायब तहसीलदार प्रतापपुर, श्रीमती सरिता राजवाडे नायब तहसीलदार जरही, श्री संजय कुमार शर्मा नायब तहसीलदार डांडकरवां, श्री शिवशंकर यादव वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी प्रतापपुर, श्री शशि जायसवाल खाद्य निरीक्षक प्रतापपुर, श्री रामधनी भगत मंडी सचिव प्रतापपुर इत्यादि उपस्थित रहे।

बालको खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव रहा अग्रणी

-संवाददाता-
कोरबा,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) धातु उत्पादन के साथ, शुरूआत से ही जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करता रहा है। औद्योगिक विकास के साथ ही खेल क्षेत्र में भी कंपनी का समृद्ध इतिहास रहा है। युवाओं को खेल से जोड़ने में कंपनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी के अंबेडकर स्टेडियम में स्थानीय समुदाय के युवा शुरू से विभिन्न खेल का अभ्यास करते रहे हैं। कर्मचारियों, स्कूल के बच्चों तथा समुदाय के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी समयांतराल पर अनेक खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करता है। 1974 में बालको लेडिज क्लब ने बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया। बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी क्लब ने 1976 में आउटडोर तथा इनडोर खेल का आयोजन शुरू किया। इसी साल अग्रदूत कमेटी द्वारा चाचा नेहरू के जन्मदिन पर त्रिटंगी (दो लोगों के पैरों को मिलाकर) खेल का आरंभ किया। लेडिज क्लब 1976 में ईधन बचत के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए साईकिल रिक्शा रेस को आयोजन किया।

कोर्ट मोहर्रिरों की बैठक में एसएसपी के कड़े निर्देश...समंस-वारंटों की हो तामिली

-संवाददाता-
सूरजपुर,10 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

फरियादी, पीड़ित व्यक्ति को सुलभ न्याय शीघ्रता से मिले इसके लिए आवश्यक है कि माननीय न्यायालयों द्वारा जारी समंस वारंट की तामीली समय पर शत-प्रतिशत थाना-चौकी के माध्यम से सुनिश्चित हो। कोर्ट मोहर्रिर, थाना-चौकी से न्यायालयीन कार्य हेतु जाने वाले कर्मचारी तथा थाना में समंस-वारंट के संधारण करने वालों के बीच आपसी सामान्जस्य बनाकर कार्य करने के उद्देश्य को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने रविवार, 10 नवम्बर 2024 को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में कोर्ट मोहरिर्रों, समंस वारंट के कार्य करने वाले जवानों की बैठक ली। इस दौरान एसएसपी सूरजपुर ने कोर्ट मोहर्रिरों को कहा कि माननीय न्यायालय के द्वारा जिस तारीख को समंस-वारंट जारी किए जाते है, उन्हें उसी दिन संबंधित थाना-चौकी को भेजी जावे ताकि उसकी तामीली शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो सके। थाना व चौकी में न्यायालयीन कार्य हेतु जाने वाले कर्मचारी से इस बावत सामंजस्य स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आपके सजग रहकर कार्य करने से समंस-वारंट की तामीली सही समय होगी और फरियादियों को न्यायालय से जल्द न्याय मिलेगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, स्टेनो अखिलेश सिंह, रीडर अरविन्द्र प्रसाद सहित सभी कोर्ट मोहर्रिर सहित अन्य आरक्षकगण मौजूद रहे।

CMYK

खेल की संक्षिप्त खबरें

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

नाथन मैकस्वीनी को मिला मौका

नईदिल्ली, 10 नवंबर 2024 । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट खेलना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले मैच के लिए अपनी टीम घोषित की गई है।पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम में नाथन मैकस्वीनी और जोश इंग्लिस को शामिल किया गया है।ऐसी उम्मीद है कि 25 वर्षीय मैकस्वीनी पर्थ टेस्ट से अपना डेब्यू कर सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में दिखा प्रदूषण का कहर

नईदिल्ली, 10 नवंबर 2024 । चैपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है। टूर्नामेंट फरवरी और मार्च के बीच होगी, लेकिन उससे पहले पाकिस्तान में प्रदूषण का कहर देखने को मिला। खतरनाक प्रदूषण के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कुछ मैच दूसरे स्टेडियम में शिफ्ट कराने पड़े. मुल्तान का एयर क्वालिटी इंडेक्स 2000 से ऊपर दर्ज किया गया, जो वाकई चिंता करने की बात है।
हाल ही में जारी हुई दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में पाकिस्तान का लाहौर अव्वल नंबर पर था। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में प्रदूषण का ज्यादा कहर दिख रहा है।

महान खिलाड़ियों पर अंगुली नहीं उठा सकते

» विराट कोहली को इस दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई ने किया सपोर्ट...

पर्थ,10 नवंबर 2024 ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर को पर्थ में खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमें के स्क्वाड का ऐलान किया जा चुका है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत चुकी है। लेकिन इस बार टीम इंडिया की राह आसान नहीं होगी। सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली लय में नहीं हैं और वह अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने कोहली का सपोर्ट किया है।

खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली

विराट कोहली पिछली छह टेस्ट पारियों में 93 रन ही बना सके। उनकी खराब फॉर्म का खामियाजा टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारकर चुकाना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईसीसी से कहा कि मैं विराट के बारे में पहले भी बोल चुका हूं। आप महान खिलाड़ियों पर अंगुली नहीं उठा सकते।

इसमें कोई शक नहीं कि वह महान क्रिकेटर है। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना पसंद है। ऑस्ट्रेलिया में उसका रिकॉर्ड भी बेहतरीन है। वह इस सीरीज में सब कुछ बदल सकता है। अगर विराट पहले ही मैच से रन बनाने लगे तो मुझे हैरानी नहीं होगी।
रिकी पोंटिंग पोंटिंग ने कहा कि मैने विराट के बारे में एक आंकड़ा पढ़ा। इसमें कहा गया कि पिछले पांच साल में उसने सिर्फ दो टेस्ट शतक लगाए। यह सही नहीं लगता लेकिन अगर है तो चिंता की बात है। दुनिया में टॉप लेवल का कोई इंटरनेशनल क्रिकेट ऐसा नहीं होगा जिसने पांच साल में दो ही टेस्ट शतक लगाये हों। न्यूजीलैंड से मिली हार के बारे में उन्होंने कहा कि स्पिनरों को खेलने में भारतीय बल्लेबाज कमजोर साबित हुए हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप-10 से हुए बाहर

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अब भारत के आधुनिक बल्लेबाज स्पिन को उस तरह से नहीं खेल पा रहे जैसे भारतीय बल्लेबाज खेला करते थे। शायद अब भारत की पिचें तेज गेंदबाजों की मददगार अधिक हैं। विराट ने इस साल की शुरूआत से छह टेस्ट में 22.72 की औसत से रन बनाए हैं जो 2011 में डेब्यू के बाद से उनका न्यूनतम औसत है। वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी दस साल में पहली बार शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं।

इंग्लैंड ने पहले टी 20 में वेस्टइंडीज को दी पटखनी

नईदिल्ली, 10 नवंबर 2024 । इन दिनों इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज व अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें तीन मैचों को वनडे सीरीज के लिए आमने-सामने हैं। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज पहला टी20 हराकर सीरीज का आगाज किया,जबकि दूसरी तरफ बांग्लादेश ने दूसरा वनडे जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की। तो आइए जानते हैं दोनों मैचों का क्या हाल रहा। अब बांग्लादेश-अफगानिस्तान के बीच तीसरा वनडे फाइनल के रूप में खेला जाएगा।
इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20 बारबाडोस में खेला गया। मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 182/9 रन बोर्ड पर लगाए. इस दौरान टीम के लिए निकोलस पूरन ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 29 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 38 रन स्कोर किए. इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके।
फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम ने 16.5 ओवर में 183/2 रन बनाकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस दौरान टीम के लिए ओपनिंग पर उतरे फिल सॉल्ट ने 54 गेंदों में 9 चौके और 6 छक्कों की मदद से 103 रन बनाए।
बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच दूसरा वनडे शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया और 50 ओवर में 252/7 रन बोर्ड पर लगाए। इस दौरान कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 76 (119 गेंद) रन स्कोर किए।
फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 43.3 ओवर में 184 रनों पर ऑलआउट हो गई. इस दौरान टीम के लिए रहमत शाह ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 5 चौकों की मदद से 52 (76 गेंद) रन बनाए। अफगानिस्तान ने मुकाबले में 68 रनों से हार झेली। इस दौरान बांग्लादेश के लिए नसुम अहमद ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट खेलेंगे या नहीं हुआ खुलासा

नईदिल्ली, 10 नवंबर 2024 । भारतीय टीम 5 टेस्ट मैचौं की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। दोनों टीमों के तहत 5 मैचों के तहत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज 22 नवंबर से होगा। लेकिन अगले कुछ ही दिनों में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो जाएगी। ताकि वहां के हालत में खुद को बेहतर ढाल सके। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट खेलेंगे और वह टीम इंडिया के साथ ही उड़ान भरेंगे? कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित टीम इंडिया के खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित शर्मा जल्द ही पिता बनने वाले हैं। इस कारण वह पर्थ टेस्ट मिस कर सकते हैं। हालांकि, रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया जाएंगे, लेकिन पहले टेस्ट में खेलने के आसार कम हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया सीरीज के शुरुआती मैचों में रोहित शर्मा से उपलब्धता के बारे में पूछा गया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये अभी निश्चित नहीं है, लेकिन देखता हूं आगे क्या होता है। हालांकि, इस वक्त तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि निजी कारणों के चलते वह पर्थ टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीती

पर्थ, 10 नवंबर 2024 । पाकिस्तान के बल्ले और गेंद दोनों से हरफनमौला प्रदर्शन ने टीम को 22 साल के लंबे अंतराल के बाद रविवार को पर्थ स्टेडियम में सीरीज जीतने में मदद की। ग्रीन ब्रिगेड ने मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 0-1 से पिछड़ने के बाद 2-1 से जीत ली। 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेन इन ग्रीन के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब और अब्दुल्ला शफीक ने सकारात्मक इरादे के साथ पारी की शुरुआत की और शुरुआत में कुछ ओवरों तक सावधानी से खेले।
दोनों खिलाड़ियों ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन की गेंद पर तीन रन बनाकर 11वें ओवर की दूसरी गेंद पर 50 रन की साझेदारी पूरी की। मेहमानों ने अपना पहला विकेट 18वें ओवर की पहली गेंद पर खो दिया जब टीम का स्कोर 84 रन था। अब्दुल्ला शफीक 53 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज लांस मोरिस ने उन्हें आउट किया। इसी ओवर में मोरिस ने दूसरे सलामी बल्लेबाज को ड्रेसिंग रूम में वापस भेज दिया, जब टीम का स्कोर 85 रन था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 52 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर वापसी की। सैम अयूब के आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर आजम के साथ बल्लेबाजी करने आए। पाकिस्तान की टीम ने 22वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा छुआ। दोनों बल्लेबाजों ने 26वें ओवर में 50 रन की साझेदारी पूरी की। पाकिस्तान की टीम ने अपनी बल्लेबाजी के 27वें ओवर की अंतिम गेंद पर मैच जीत लिया। बाबर और रिजवान ने महज 5.3 ओवर में 58 रनों की नाबाद साझेदारी की, जिसने उन्हें 2002 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला जीतने में मदद की।

बल्लेबाज ने एक पारी में आश्चर्यजनक 428 रन बनाए

चंडीगढ़,10 नवंबर 2024 । यशवर्धन दलाल ने अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में हरियाणा के लिए खेला और शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने वो उपलब्धि हासिल की जो पूरे टूर्नामेंट में पहले कभी किसी ने हासिल नहीं की थी. यशवर्धन ने मुंबई के खिलाफ 428 रन बनाकर इतिहास रच दिया. वह 1973-74 सीज़न के बाद से टूर्नामेंट के इतिहास में 400 आरबीआई को पार करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। हरियाणा के ओपनिंग बल्लेबाज बने यशवर्धन दलाल ने शानदार पारी खेली. उन्होंने 465 गेंदें खेलीं और 428 रन बनाए, जिसमें 46 गेंदें और 12 छक्के शामिल थे। यशवर्धन ने चेन्नई सुपर किंग्स के समीर रज़वी का रिकॉर्ड तोड़ा। पिछले सीज़न में उत्तर प्रदेश के लिए खेलने वाले रिज़्वी ने सौराष्ट्र के खिलाफ सिर्फ 266 गेंदों में 312 रन बनाए थे, जो टूर्नामेंट में उनका सर्वोच्च स्कोर था,

पैट कमिंस एंड कंपनी ने भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टीम की घोषणा की

मुंबई,10 नवंबर 2024 । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हर साल होने वाली बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। पांच मैचों की यह टेस्ट सीरीज दोनों टीमों के लिए काफी अहम है, क्योंकि इस सीरीज के विजेता को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए टीम में एक सरप्राइज एंट्री की घोषणा की है। नाथन मैकस्वीनी को क्क्त्रञ्ज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को चुना है जो भारत के खिलाफ खेलेंगे। ये दो अनकैप्ड खिलाड़ी जोश इंग्लिस और नाथन मैकस्वीनी हैं। अगर प्लेइंग 11 में नाथन मैकस्वीनी को चुना जाता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग बैटिंग करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता ने टीम के पीछे के कारण बताए ऑस्ट्रेलिया के चयन अध्यक्ष और पूर्व कप्तान जॉर्ज बेली के अनुसार, चुनी गई टीम बहुत संतुलित है और अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। नाथन ने वे गुण प्रदर्शित किए हैं जो हमें लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार करेंगे, साथ ही घरेलू क्रिकेट में उनका हालिया रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है। साउथ ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलिया ए के लिए उनके प्रदर्शन ने उनके पक्ष में काम किया है और हमारे विचार से वह टेस्ट स्तर पर अवसर के लिए तैयार हैं।

राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर का धमाकेदार टीजर जारी,जबर्दस्त एक्शन करते दिखे अभिनेता

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। फिल्म के टीजर का दर्शकों को बेसब्री से इतंजार था। अब आखिरकार निर्माताओं ने गेम चेंजर का धमाकेदार टीजर जारी कर दिया है, जिसमें राम चरण जबर्दस्त एक्शन अवतार में नजर आए।इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। ग्लोबल स्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर का पहला फुल टीजर में कई मनोरंजक पल हैं। राम चरण और मुख्य अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतीक्षित प्रोमो लॉन्च करने के लिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में थे।फिल्म के टीजर में साफ तौर पर कहानी की तस्वीर नहीं मिली है, बल्कि राम चरण के किरदार की कुछ झलकियां सामने आई हैं। टीजर में राम चरण अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ रोमांस करते नजर आए, दूसरे ही पल उनका एक्शन अवतार भी देखने को मिला। वे अपने दुश्मनों का जमकर मुकाबला करते दिखे। टीजर के अंत में राम चरण मजाकिया अंदाज में अपना परिचय देते हुए कहते हैं कि मैं अप्रत्याशित हूं।गेम चेंजर का निर्माण 2021 के अंत से चल रहा है और कई बार टलने के बाद फिल्म को आखिरकार 10 जनवरी, 2025 को संक्रांति उत्सव के दौरान कई भाषाओं में बड़े पर्दे पर आने की पुष्टि हुई। इसका निर्माण दिल राजू ने श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक शंकर ने हाल ही में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है, अब वे कुछ सीन से खुश नहीं हैं। दावा किया गया है कि फिल्म निर्माता अब फिल्म के कुछ हिस्सों को फिर से शूट करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे एक संक्षिप्त शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। इसी कारण इस फिल्म की रिलीज डेट को टाला गया है। पहले यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार थी।शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं। खबर है कि चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस द्वारा निर्मित गेम चेंजर में संगीत थमन ने दिया है, छायांकन तिरू ने किया है और संपादन शमीर मुहम्मद ने किया है।

गुलाबी साड़ी पहन जाह्नवी कपूर ने इंटरनेट पर बरपाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।धड़क गर्ल जाह्नवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका ग्लैमरस लुक और कातिलाना अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस जाह्नव कपूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए सो ब्यूटिफुल लिखा है। दूसरे यूजर ने लिखा है बेहद हॉट।

रिलीज से पहले पुष्पा 2 ने जवान और कंगुवा को चटाई धूल

अल्लू अर्जुन की फिल्म ने अपने नाम किए ये रिकॉर्ड्स

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2ः द रूल की रिलीज की तैयारी में है। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। एडवांस बुकिंग का काउंटर खुलते ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अल्लू अर्जुन के फैंस पर पुष्पा 2 का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। पुष्पा 2ःद रूल ने स्क्रीन काउंट के मामले में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। सुकुमार की निर्देशित फिल्म स्क्रीन काउंट के मामले में सबसे बड़ी भारतीय फिल्म रिलीज बनने के लिए तैयार है। इससे पहले, यह रिकॉर्ड शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान (2023) और साउथ सिंघम स्टार सूर्या शिवकुमार की फिल्म कंगुवा (2024) के नाम था। जवान को दुनियाभर के 100 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज किया गया था। लेकिन अब अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पुष्पा 2 दुनियाभर के 11,500 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। मेकर्स ने फिल्म की एडवांस बुकिंग लगभग एक महीने पहले शुरू कर दी है। फिल्म ने सिर्फ उत्तरी अमेरिका में अपने प्रीमियर से ही प्री-सेल में 500 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पुष्पाः द राइज (2021) की प्री-सेल की संख्या से भी ज्यादा है। अब, पुष्पा 2 अमेरिका में सबसे तेज 500 हजार डॉलर कमाने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी है.इन सबके अलावा पुष्पा 2 ने एक और उपलब्धि हासिल की है। पुष्पा 2 को 2024 की मोस्ट अवेटेड इंडियन मूवी का दर्जा दिया है, जो 85 प्रमुख रिलीज की लिस्ट में टॉप पर है। इसने वरुण धवन की बेबी जॉन और अजय देवगन की सिंघम अगेन जैसी अन्य हाई-प्रोफाइल फिल्मों को भी पछाड़ दिया है। .इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 अपने ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर सकती है। यह लगभग 270 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर सकती है। अगर यह अनुमान सही साबित हुई तो यह 270 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी। पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना एक बार फिर अपने किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण अंतिम चरण में है. टीम 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। फिल्म को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़, बंगाली और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, सोमवार 11 नवम्बर 2024

चुनाव प्रचार में जोर-शोर से जुटे भाजपा-कांग्रेस

» एक-दूसरे को घेर रही भाजपा-कांग्रेस

» भाजपा में अंदरूनी कलहः भूपेश बघेल

» कांग्रेस घोटालेबाजों की सरकारः भाजपा

रायपुर। दक्षिण का रण अब प्रचार के अंतिम दौर से गुजर रहा है। वहीं, दोनों ही प्रत्याशियों के साथ संगठन की ओर से भी सभाओं सहित जनसंपर्क व रोड शो का आयोजन किया जा रहा है। इसी बीच कांग्रेस और भाजपा दोनों की संगठन के पदाधिकारी व बड़े नेता एक दूसरी पार्टियों पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। रायपुर दक्षिण में भूपेश बघेल और दीपक बैज ने सभा का आयोजन किया।

इस दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि दक्षिण में उपचुनाव इसलिए हो रहा है, क्योंकि बृजमोहन ने इस्तीफा दे दिया है। पहले वे मंत्री थे, लेकिन भाजपा को यह पचा नहीं और उन्हें लोकसभा में उतार दिया। इसके बाद वे मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं देना चाहते थे, लेकिन उसे भी ले लिया गया। इस तरीके से भाजपा में अंदरूनी कलह चल रही है।

वहीं, दूसरी ओर भाजपा के संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की कसम खाई थी और इसके बाद उसी सरकार ने उसी शराब में दो हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उस कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में शराब की नदियां बहने का मिथ्या प्रलाप करते शोभा नहीं देते।

उपलब्धियां गिना रहे भाजपाई

इसके अलावा भाजपा की ओर से दक्षिण के टिकट मिलने के बाद से ही पूर्व सांसद व महापौर सुनील सोनी के कार्यकाल के दौरान की उपलब्धियां गिना रहे हैं। प्रभारी शिवरतन शर्मा ने कहा कि सांसद एवं रायपुर दक्षिण से आठ बार विधायक रहे पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल तथा महापौर और सांसद रहते हुए सुनील सोनी ने मिलकर रायपुर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यकाल में रायपुर में बुनियादी ढांचे के विकास, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स जैसे कई पहलुओं पर कार्य हुआ है। उनके नेतृत्व में रायपुर ने एक आधुनिक और व्यवस्थित शहर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

आकाश का हुआ विरोध

जिस भाठागांव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी का विरोध हुआ था, उसी क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा को भी विरोध का सामना करना पड़ा। इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहे वीडियो में दिखाई दे रहा है, कि आकाश को कुछ लोगों ने घेर रखा है और जमीन पर कब्जे के मामले में एक कांग्रेस पदाधिकारी की फोटो दिखाकर वीडियो प्रसारित किया जा रहा है। साथ ही कांग्रेस मुर्दाबाद और आकाश मुर्दाबाद के नारे भी लोग लगाते दिखाई दे रहे हैं।

अपराध का गढ़ बना प्रदेशः बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार को 10 महीने हुस हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक और रायपुर अपराध का गढ़ बन गया है। रायपुर में दिन दहाड़े गोली चलती है और बलौदाबाजार में कलेक्टर और एसपी आफिस जला दिए गए।लोहारीडीह में तीन साहू समाज के लोगों की हत्या हो गई। एक को फांसी में टांगकर मार दिया गया, सूरजपुर में जिला बदर व्यक्ति दिन दहाड़े हत्या करके चला जाता है बलरामपुर में पुलिस की पिटाई से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है और कह रहे थे कि बाथरूम में फांसी लगा लिया ऐसी हो ही नहीं सकता।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया 13 नवम्बर को छत्तीसगढ़ में होंगे

» 10,000 से अधिक माई भारत यूथ वालंटियर्स के साथ पदयात्रा में शामिल होंगे

रायपुर,10 नवम्बर 2024(ए)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 13 नवंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के जशपुर में जनजातीय गौरव दिवस पर माई भारत यूथ वालंटियर्स के साथ पदयात्रा करेंगे। इस पदयात्रा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ राज्य के अन्य मंत्री भी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में उनकी विरासत और देश के विकास में आदिवासी समुदायों के महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में मनाया जाएगा।

राजीव लोचन महाराज पर कवासी लखमा ने की टिप्पणी

रायपुर,10 नवम्बर 2024(ए)। पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने राजीव लोचन महाराज पर की गई टिप्पणी पर माफी मांग ली है। उन्होंने कहा है कि मेरा मकसद किसी धर्म या संत को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने बताया कि मैं आदिवासी समाज से आता हूं उसे संदर्भ में बात कही। उन्होंने कहा कि देश में आदिवासी समाज में तीन-तीन शादियां होती है। इससे पहले आज बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के समर्थक सिविल लाइन थाने पहुंचकर कवासी लखमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे।

बस्तर फाइटर बटालियन के जवान ने खुद को मारी गोली

कोंडागांव,10 नवम्बर 2024(ए)। बस्तर से एक गंभीर खबर सामने आई है। यहां बस्तर फाइटर बटालियन में तैनात एक जवान ने आत्महत्या कर ली है। जवान ने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने घटना की पुष्टि की है, और फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक जवान हरीलाल नाग, कोंडागांव के बारदा गांव का निवासी था और बस्तर फाइटर्स में तैनात था। उसकी पोस्टिंग धनोरा थाने में थी। वह नक्सल गतिविधियों से संबंधित सूचना लेने के लिए अपने गांव आया था, जहां उसने सोते समय खुद को गोली मार ली। घटना की सूचना मिलते ही उरन्दाबेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पिस्टल व मोबाइल बरामद किया।

विधायक निधि से राशि जारी करने के मामले में फंसे विधायक

» सोशल मीडिया में कॉपी हो रही वायरल...

बिलासपुर,10 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में कोटा विधानसभा अंतर्गत धर्मनगरी रतनपुर के नजदीक बंगलाभाठा गांव में क्रिश्चियन समुदाय द्वारा तैयार कराए गए प्रार्थना भवन को लेकर प्रदेश भर में माहौल गर्म चुका है।इससे पहले कि समाज के लोग और स्थानीय विधायक अटल श्रीवास्तव उसका उद्घाटन कर पाते हिंदूवादी संगठनों ने माहौल बना कर कार्यक्रम को रद्द करा दिया। भोले भाले आदिवासियों को धर्मांतरण कराने के लिए स्थल तैयार किए जाने का आरोप लगाकर हिंदूवादी संगठनों ने न सिर्फ बवाल काटा बल्कि इसके खिलाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिकायत करने गए स्थानीय विधायक के विरोध को मुद्दा बनाकर हिंदूवादी संगठनों ने आंदोलन की एक नई पिच तैयार कर ली है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस और भाजपा के विधायक आमने-सामने है। वहीं हिंदूवादी संगठनों ने साधु संतों को साथ जोड़कर कोटा के कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव के खिलाफ माहौल बनाने में जुड़ गए हैं।

बिलासपुर जिले के रतनपुर बंगलाभाठा गांव में मंगलवार को चर्च उद्घाटन को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इसके उद्घाटन के लिए मंगलवार सुबह 11:30 बजे कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें बिशप डायोसिस आफ छत्तीसगढ़ की सुषमा कुमार, कुछ जनप्रतिनिधि और छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना थी। हिंदू संगठनों ने रतनपुर जैसी ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी में सामुदायिक भवन के नाम पर चर्च की स्थापना किए जाने का कड़ा विरोध जताया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आयोजकों ने उद्घाटन कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया। साथ ही, चर्च स्थल पर हनुमान चालीसा का पाठ करने की जिद पर अड़े हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के कारण प्रशासन को बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा।पुलिस से शिकायत में अटल ने उस प्रार्थना भवन को आम जनता की भागीदारी से बनाए जाने की बात कही गई थी मगर सोशल मीडिया में वायरल हो रहे आदेश की एक कॉपी अलग ही बात साबित कर रही है।आदेश में देखा जा सकता है कि विधायक अटल श्रीवास्तव, ने अपने विधायक मद से सामुदायिक भवन निर्माण के लिए राशि जारी की थी। और इस चर्च के उद्घाटन में भी शामिल होने वाले थे। जबकि उन्होंने दावा किया कि था कि यह भवन स्थानीय लोगों के चंदे से बना है।

हिंदू संगठनों का आरोप है कि, शासकीय जमीन को सामुदायिक भवन के लिए आबंटित कराया गया और उसमें प्रार्थना सभा घर बना दिया गया है। रतनपुर की धार्मिक पहचान को लेकर स्थानीय हिंदू संगठनों में चर्च की स्थापना को लेकर व्यापक असंतोष फैल गया।

इस मामले में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने अपने विधानसभा क्षेत्र में वैमनस्यता फैलाने को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गुस्सा जाहिर करते हुए तथाकथित भगवाधारी लोगों को चेतावनी दी कि यदि उन्होंने विरोध जारी रखा तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बयान के सामने आने के बाद बेलतरा विधायक सुशांत ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि धर्मांतरण का खेल रचकर कूट रचित तरीके से कोटा, रतनपुर में हिंदुओं को ईसाई समाज में कन्वर्ट करने का खेल खेला जा रहा है।

इस पूरे मामले को लेकर एसडीएम, कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के पास शिकायत की गई है। जिला प्रशासन इस मामले की गहनता से जांच कर रहा है।

कवासी लखमा के खिलाफ बजरंग दल ने खोला मोर्चा

रायपुर,10 नवम्बर 2024 (ए)। रायपुर में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के विवादित बयान को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने आज सुबह 11 बजे सिविल लाइन थाना में ज्ञापन सौपने गए थे, जिसमें वे लखमा द्वारा राजीव लोचन महाराज के खिलाफ की गई टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। वीएचपी ने अपने सदस्यों से डंडा और झंडा लेकर आने का आग्रह किया है। इससे पहले, कवासी लखमा पर चुनाव प्रचार के दौरान विवादित बयान देने और आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके अलावा, उन पर होली के दौरान पैसे बांटने का भी आरोप है।

घर में धर्मांतरण करवाने को लेकर मचा बवाल

रायगढ़,10 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में धर्मांतरण को लेकर मामला फिर गरमा गया है। रविवार को काशीराम चौक के पास एक घर में धर्म परिवर्तन कराने की सूचना पर हिंदू संगठन मौके पर पहुंचा। कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। जय श्री राम के नारे लगाए। दरअसल, गांधीनगर में पादरी साउल नागा के घर में प्रार्थना सभा चल रही थी। नारेबाजी के बीच मोहल्लेवासी भी वहां इकट्ठा हो गए और पास्टर को घर से बाहर निकालने की मांग करने लगे। शहर में डेढ़ महीने में यह चौथा मामला है। भीड़ इकट्ठा होने की सूचना मिलने पर अधिकारियों पहुंचे और पुलिस बल भी बुलाया गया। प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस ने घर के अंदर पहुंचकर पादरी से पूछताछ की। काफी हंगामे के बाद घर से पास्टर को निकालकर पुलिस थाने ले गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल शुक्ला का कहना है कि, जब भाजपा की सरकार आई है, तब से धर्मांतरण के मामले बढ़े हैं। लालच देकर इस तरह धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है, जो कि गलत है। उनका कहना है कि कांग्रेस सरकार पिछले पांच साल थी। लेकिन ऐसी घटनाएं नहीं हुई।

क्रिश्चियन बन चुके 321 लोगों की हुई घर वापसी

रायपुर,10 नवम्बर 2024(ए)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेन्द्रचार्य की उपस्थिति अपनाया हिन्दू धर्म दक्षिण भारत के पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य नरेन्द्रचार्य की उपस्थिति में क्रिश्चियन बन चुके 321 लोगों की हिन्दू धर्म में वापसी हुई। कार्यक्रम रायपुर के बीटीआई ग्राउंड में हुई। इस कार्यक्रम में कुल 50 परिवार ने हिन्दू धर्म को एक बार फिर से अपना लिया है। इस दौरान जगद्गुरु नरेन्द्रचार्य ने सभी परिवारों को गुरु मंत्र दिया और कहा कि तुम जियो और दूसरों को जीने में सहायता करो। सपने में भी किसी का बुरा नहीं करो तथा एकाग्र मन से भक्ति करो। रायपुर के बीटीआई ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में दक्षिण भारत के पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य स्वामी नरेन्द्रचार्य की मौजूदगी में हिन्दू धर्म को छोड़ ईसाई बन चुके लगभग 50 परिवार के लोगों ने पुनः हिन्दू धर्म को अपना लिया है। सभी गुरु का आशीर्वाद लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए जीवन मंत्र हासिल किया। कार्यक्रम सुबह 10 से 6 बजे तक चला। इस कार्यक्रम में कुल 300 साधकों ने गुरु से दीक्षा ली। साथ ही 500 से अधिक लोगों की समस्या को गुरु ने सुना और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने धर्मांतरण पर कहा कि शासन को कठोर नियम बनना और सजा का प्रावधान की आवश्यकता है। जिससे प्रदेश एवं देश के धर्मांतरण पर रोक लगे।

फर्जी प्रमाण-पत्र पर 22 साल तक नौकरी करने का मामला

बिलासपुर,10 नवम्बर 2024 (ए)। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड स्थित शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल, बैगाकापा में फर्जी बीएड प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी कर रहे व्याख्याता जसवंत सिंह राजपूत को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संयुक्त संचालक की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

दरअसल, जसवंत सिंह राजपूत के खिलाफ शिकायत की गई थी कि उन्होंने फर्जी बीएड प्रमाणपत्र के सहारे नौकरी प्राप्त की है। इस पर बिलासपुर संभाग के संयुक्त संचालक ने जांच की, जिसमें खुलासा हुआ कि राजपूत की नियुक्ति 1992 में उच्च वर्ग शिक्षक के पद पर शासकीय हाईस्कूल, बैगाकापा में हुई थी। इसके बाद उन्होंने 2004 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से प्रथम श्रेणी में स्वाध्यायी बीएड परीक्षा उत्तीर्ण करने का दावा करते हुए विभाग में अंकसूची प्रस्तुत की थी। इसी प्रमाणपत्र के आधार पर उन्हें उच्च वर्ग शिक्षक से प्रधानपाठक और बाद में 2008 में व्याख्याता के पद पर पदोन्नत किया गया। जांच अधिकारी ने उक्त अंकसूची का सत्यापन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से करवाया, जहां उपकुलसचिव ने स्पष्ट किया कि यह अंकसूची विश्वविद्यालय द्वारा जारी नहीं की गई थी। जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि जसवंत सिंह राजपूत ने फर्जी अंकसूची का सहारा लेकर पदोन्नति हासिल की थी। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन करते हुए दंडनीय है। लोक शिक्षण संचालनालय ने उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

पत्नी की दूसरी शादी से नाराज पति ने रची हत्या की साजिश

» इंस्टाग्राम लाइव के जरिए हुआ खुलासा; तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग,10 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपनी पत्नी की दूसरी शादी से नाराज होकर उसके नए पति की हत्या की साजिश रची। साजिश को इंस्टाग्राम लाइव के जरिए अंजाम देने की योजना बनाई गई। पुलिस ने इस वीडियो के आधार पर मुख्य आरोपी संदीप शर्मा समेत दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

मामला तब प्रकाश में आया जब दुर्ग के एसपी जितेंद्र शुक्ला के पास एक वीडियो पहुंचा, जिसमें तीन युवक 18 नंबर रोड कैंप-1 के निवासी एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रचते नजर आए। वीडियो देखने के बाद एसपी शुक्ला ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल छावनी थाना प्रभारी चेतन सिंह चंद्राकर को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने जांच करते हुए मुख्य आरोपी संदीप शर्मा (25), मनीष दास मानिकपुरी (20) और बाबी सिंह (24) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में संदीप शर्मा ने स्वीकार किया कि उसकी पत्नी ने उसे छोड़कर दूसरे युवक से शादी कर ली थी, जिससे वह आहत और नाराज था। इस घटना का बदला लेने के लिए उसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और इंस्टाग्राम लाइव पर अपने प्लान की जानकारी दी। इस इंस्टाग्राम लाइव का वीडियो,पुलिस के हाथ लग गया और साजिश का पर्दाफाश हुआ।

मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या की साजिश, आर्म्स एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी। लेकिन पुलिस की समय रहते कार्रवाई ने उनकी साजिश को नाकाम कर दिया। फिलहाल तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एक और आरोपी फरार, पुलिस कर रही है तलाश

इस मामले में शामिल एक और आरोपी की तलाश अभी भी जारी है, जो घटना के बाद से फरार है। पुलिस का कहना है कि इस फरार आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दक्षिण को बताया पर्यटन क्षेत्र

» कांग्रेसियों को पर्यटक...कहा-चुनाव से पहले 10-15 दिन घूमने आती है पार्टी

रायपुर,10 नवम्बर 2024(ए)। दक्षिण विधानसभा उप-चुनाव के मतदान के लिए केवल दो दिन बाकी है और इसे लेकर सियासत भी तेज हो चुकी है। दक्षिण क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रत्याशी आकाश शर्मा के लिए लगातार सभाएं कर रहे हैं। इसी बीच पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दक्षिण विधानसभा को कांग्रेस पार्टी के लिए पर्यटन क्षेत्र बताते हुए कांग्रेसियों को पर्यटक बताया।अग्रवाल ने कहा कि पर्यटक की हैसियत से कांग्रेसी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र आते है, चुनाव के पहले 10-15 दिन घूमते है और उसके बाद उनका कोई पता ठिकाना नहीं रहता हैं। कांग्रेस ने ऐसे प्रत्याशी को मैदान में उतारा है, जिसे दक्षिण की एक प्रतिशत जनता भी ढंग से नहीं जानती हैं। जनता उसे चुनेगी जिसे वह जानती है, जिसके विकास का मॉडल उन्होंने देखा है।

ट्रक से टकराई सवारियों से भरी बस

» कई यात्री घायल, दो की हालत गंभीर

कांकेर10 नवम्बर 2024(ए)। सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर बस्तर की ओर जा रही एक यात्री बस की एक ट्रक से टक्कर हो गई, जिसमें दर्जनभर से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। इनमें से दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल सूचना मिलने से मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई कर रही है। के शकाल घाट की जर्जर सड़कों और लगातार होने वाले हादसों ने एक बार फिर से आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आज रविवार

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)